दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 87/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 27 अक्टूबर 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

आज चित्रकूट आएंगे प्रधानमंत्री

सतना। चुनावी माहौल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मध्य प्रदेश आएंगे। वे यहां तुलसी पीठ के जगदुरु रामानंदाचार्य का आशीर्वाद लेंगे। साथ ही पीएम मोदी तुलसी पीठाधीश्वर जगदुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज से भी मुलाकात करेंगे।पीएम मोदी चित्रकूट के जानकीकुंड परिसर में स्थित नए सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का शुभारंभ करेंगे. वे अरविंद भाई मफतलाल की समाधि स्थल पर श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे।

प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन आम लोग नहीं कर सकेंगे रामलला के दर्शन

लखनऊ। प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन 22 जनवरी को आम नागरिक रामलला के दर्शन नहीं कर पाएंगे। वीआईपी प्रोटोकॉल के चलते इस दिन राममंदिर आम श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेगा। इसी दिन रामलला नए मंदिर में विराजेंगे। मुख्य यजमान पीएम नरेंद्र मोदी होंगे।

उनके साथ अनुष्ठान में सीएम योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, संघ प्रमुख मोहन भागवत भी मौजूद रहेंगे। परिसर में मौजूद वीआईपी ही रामलला के दर्शन कर पाएंगे। यह जानकारी गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने दी।

उन्होंने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्रस्ट का आमंत्रण स्वीकार कर लिया है। उन्होंने मंदिर निर्माण की पूरी जानकारी भी ली है। देश की समस्त परंपराओं के करीब चार हजार संत कार्यक्रम में आएंगे। लगभग हर जिले के साधु होंगे। समारोह में वैज्ञानिक, उद्योगपति, चिकित्सक, इंजीनियर, सीए, कवि, लेखक, कलाकार, फिल्मकार, पत्रकार, वकील, सेवानिवृत्त न्यायाधीश, सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कारसेवकों के परिवार शामिल होंगे। ऐसे करीब 2500 लोगों की सूची बनाई जा रही है।

बुजुर्ग समारोह में न आएं- चंपत राय ने बताया कि समारोह करीब तीन घंटे चलेगा। करीब एक किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ सकता है। ऐसे में बुजुर्ग कार्यक्रम में न आएं। साधु-संतों के साथ उनके शिष्य-सेवक नहीं जा पाएंगे। सुरक्षा कारणों से दंड, छत्र, चरणपादुका, चंवर आदि लेकर संत राम जन्मभूमि परिसर नहीं जा सकेंगे। राजनीतिक दलों के लोगों को भी बुलाएंगे, लेकिन जो हमारे मित्र हैं, उन्हें बुलाएंगे।

प्रत्याशी नहीं, हमें पीएम व चुनाव चिन्ह देखना है: सिंधिया

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल को टिकट नहीं मिलने से नाराज उनके समर्थकों के बीच पहुंचे। गोयल वाटिका में आयोजित रूबरू कार्यक्रम में सीधे माइक थामते हुये सिंधिया ने कहा कि प्रदेश का विधानसभा चुनाव कांग्रेस के लिये सत्ता और कुर्सी के लिये हो सकता है। हमारे लिये यह प्रदेश और अंचल के विकास का

चुनाव है। आप लोगों को प्रत्याशी का चेहरा नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी का चुनाव चिन्ह और प्रदेश के विकास पर ध्यान केंद्रित करना हैं। जिससे निर्णय लेने में कोई भ्रम की स्थिति नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि मुन्ना एक युद्ध हैं, और युद्ध रहेंगें। राजनीति में कई बार सफलता मिलती है, तो कई बार असफलता मिलती है, लेकिन हमारा संघर्ष थमता नहीं हैं। क्योंकि हमारा ध्येय सत्ता और कुर्सी नहीं हैं, जनसेवा है। सिंधिया ने कहा कि आज माधवराव सिंधिया का श्राद्ध किया है, इसलिए माला नहीं लुंगा। नाराज मुन्नालाल गोयल के समर्थकों ने पहली बार महल में हंगामा करते हुये न्याय मांग रहे थे। आज तस्वरी बदली हुई थी। वही समर्थक सिंधिया के साथ खड़े होने का वादा कर रहे थे। सिंधिया ने कहा कि मुन्ना और हम तो तय कर चुके हैं। प्रदेश और ग्वालियर के राष्ट्रपटल पर एक अलग पहचान हैं। अब निर्णय आपको करना है। साढ़े आठरह साल में प्रदेश लगभग हर क्षेत्र में अग्रणी रहा है। तीन साल में ग्वालियर का जो विकास हुआ है, वो कभी नहीं हुआ है। नया एयरपोर्ट, स्टेशन और एलिवेटेड रोड सहित कई विकास कार्य आकार ले रहे हैं और कई विकास कार्य पाइप लाइन में हैं। मुन्नालाल युद्ध थे, और युद्ध रहेंगे और मैं उनके साथ हूं और रहूंगा।

संजय सिंह की रिहाई की मांग को लेकर 'आप' कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, पुलिस ने कई को हिरासत में लिया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं ने जेल में बंद आप सांसद संजय सिंह की रिहाई की मांग को लेकर पार्टी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और भाजपा कार्यालय तक मार्च करने का प्रयास किया। उन्हें पुलिस ने रोका और हिरासत में लिया।

12 साल पहले सरकार ही हैंग हो जाती थी: मोदी

इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2023 का उद्घाटन किया प्रधानमंत्री ने

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2023 इवेंट में शुक्रवार को कहा, आप 10-12 साल पुराने समय को याद करिए जब आउटडेटेड मोबाइल फोन की स्क्रीन बार-बार हैंग कर जाती थी, चाहे आप कितना भी स्वाइप कर लें, कुछ असर नहीं होता था। ऐसी ही स्थिति उस समय सरकार की भी थी। भारत की अर्थव्यवस्था हैंग मोड में थी। हालत इतनी बिगड़ चुकी थी कि रिस्टार्ट करने का कोई फायदा नहीं था। 2014 में लोगों ने इसे बदल दिया। इस बदलाव से क्या हुआ ये दिखता है। तब हम मोबाइल फोन इंपोर्टर थे,आज एक्सपोर्टर हैं।

पीएम ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2023 का उद्घाटन दिल्ली के प्रगति मैदान में किया। इवेंट में जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी, एयरटेल चेयरमैन सुनील मित्तल और आदित्य बिरला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिरला भी शामिल हुए। इस साल आईएमसी का यह सातवां एडिशन है। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े मोबाइल मैन्युफैक्चरर्स हैं। हम इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग में करीब 2 लाख करोड़ रुपए का एक्सपोर्ट कर रहे हैं। गूगल ने भी हाल ही में घोषणा की है कि वो पिक्सल पोन भारत में बनाएगा। एपल और सैंमसंग के फोन पहले ही भारत में बन रहे हैं।

हमने दुनिया का सबसे तेज 5जी रोलआउट किया

पीएम ने कहा कि पिछले साल हम यहां 5जी रोलआउट के लिए इकट्ठा हुए थे। पूरी दुनिया भारत को हैरत भरी नज़रों से देख रही थी...हमने दुनिया का सबसे तेज 5जी रोलआउट किया और हर भारतीय तक 5जी पहुंचाने का काम शुरू किया।

स्पेस फाइबर, जियो भारत डिवाइस की जानकारी ली

प्रगति मैदान में पहला स्टॉल जियो इंफोकॉम का है। कंपनी के चेयरमैन आकाश अंबानी ने प्रधानमंत्री मोदी को जियो एयर फाइबर, स्पेस फाइबर समेत अन्य टेक्नोलॉजी की जानकारी दी। यहां जियो भारत डिवाइस को भी डिस्प्ले किया गया है। इस फोन को भी उन्होंने देखा।

मुंबई की हवा खतरनाक स्तर पर पहुंची

दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम की हवा भी खराब; पंजाब-हरियाणा में अब भी जलाई जा रही पराली

नई दिल्ली। मुंबई और दिल्ली की हवा खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। मुंबई में शुक्रवार को एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) सुबह 10 बजे 300 के पार पहुंच गया। यानी यह बहुत खराब कैटेगरी में है।

इसके अलावा राजधानी दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) सुबह 10 बजे 249 दर्ज किया गया। यानी राजधानी की हवा भी खराब कैटेगरी में पहुंच गई है। इसके अलावा, दिल्ली से लगे नोएडा में एक्यूआई 208 और गुरुग्राम में एक्यूआई 252 रिकॉर्ड किया गया। यानी दोनों शहरों में भी हवा खराब कैटेगरी में दर्ज की गई।

आईएमडी के मुताबिक, दिल्ली में शुक्रवार को 4 से 16 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, ऐसे में

आसमान में धुंध कम रहने की संभावना है। दरअसल, हरियाणा, पंजाब समेत देश के उत्तरी हिस्से में पराली जलाना अभी भी जारी है। इसके कारण दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और आस-पास के इलाकों में हवा में धुंध बढ़ रही है। इस साल अब तक 2500 से ज्यादा पराली जलाने के मामले सामने आ चुके हैं। हालांकि,खेत में आग लगने की संख्या पिछले दो सालों की तुलना में बेहतर है।

हवा सुधारने के लिए दिल्ली में ग्रैप-2 लागू

दिल्ली के पर्यावरण मंत्रालय ने बताया कि दिल्ली और एनसीआर में ग्रैप-2 के तहत कोयला और लकड़ी के उपयोग पर बैन, एनसीआर और इलेक्ट्रिक बसों की ज्यादा ट्रिप, सड़कों की नियमित सफाई और पानी का छिड़काव और ट्रैफिक जाम लगने से रोकने से प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सकता है। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान दिल्ली और नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) में प्रदूषण से निपटने के लिए बनाए गए नियमों और उपायों का एक दस्तावेज है।

मप्र के श्रमिकों को दस माह से नहीं मिली मजदूरी: नाथ

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने प्रदेश के श्रमिकों को मजदूरी न मिलने का मामला उठाया है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में करीब 10 हफ्ते से मनरेगा में काम करने वाले श्रमिकों को उनकी मजदूरी नहीं मिली है। त्योहार के मौसम में मजदूरों के साथ इस तरह का व्यवहार अमानवीय है।

पीसीसी अध्यक्ष ने ट्वीट किया- मैं शिवराज जी से जानना चाहता हूं कि उनकी सरकार लगातार कर्ज लेती रही है और आचार संहिता के दौरान भी कर्ज लेने की तैयारी चल रही है। जब लाखों मनरेगा श्रमिकों को उनकी मजदूरी नहीं दी जा सकती तो आखिर यह कर्ज किस चीज के लिए लिया जा रहा है। शिवराज जी गरीबों के मुंह से निवाला छीनने से बड़ा पाप और कुछ नहीं है। मैं माननीय निर्वाचन आयोग से भी आग्रह करता हूं कि आचार संहिता के बावजूद श्रमिकों की मजदूरी का भुगतान किया जाए, यह उनका अधिकार है।

दिग्विजय की चक्की ने कमलनाथ को ही पीस दिया: चौहान

पन्ना। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पन्ना में आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व सीएम कमल नाथ पर निशाना साधा। दरअसल, सीएम शिवराज कमल नाथ के उस बयान का जवाब दे

रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा कि उनकी चक्की बारीक पीसती है। सीएम शिवराज ने कहा कि 'कांग्रेस में इस समय चक्कियां चल रही हैं। कमलनाथ कहते हैं कि मेरी चक्की बहुत बारीक पीसती है लेकिन इस बार दिग्विजय की चक्की ने कमलनाथ को ही पीस दिया। कमलनाथ, दिग्विजय और जयवर्धन के कुर्ते फाड़ने की बात करते थे लेकिन सभी कमलनाथ समर्थकों के टिकट कटवा कर अब दिग्विजय सिंह ने कमलनाथ का कुर्ता फाड़ दिया।

सरकारी कर्मचारियों के लिए सख्त हुए नियम

दूसरी शादी से पहले अनिवार्य होगी सरकार की अनुमति, अधिसूचना जारी

नई दिल्ली। सरकारी कर्मचारियों के लिए तत्काल प्रभाव से आदेश लागू किया गया है। जिसमें उनके लिए कुछ नियम तय किए गए है। कार्मिक विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना के तहत यदि पत्नी या पति जीवित है तो सरकारी कर्मचारियों को किसी अन्य व्यक्ति से शादी करने से पहले सरकार की अनुमति लेनी आवश्यक होगी।

असम सरकार द्वारा इसके लिए नियम तय कर दिए गए हैं। असम सरकार ने अपने कर्मचारियों को स्पष्ट किया कि पति या पत्नी के जीवित होते हुए दूसरी शादी करने पर रोक लगाने के लिए यह प्रावधान तय किया गया है। भले ही व्यक्तिगत कानून के तहत उसे शादी करने की अनुमति हो। दूसरी शादी करने से पहले सरकार की अनुमति आवश्यक होगी। हालांकि इसमें तलाक के मानदंड के बारे में कुछ भी उल्लेख नहीं किया गया है। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने नियम को तत्काल प्रभाव से लागू करने के भी निर्देश दिए हैं।

असम कार्मिक विभाग द्वारा अधिसूचना जारी करते हुए कहा गया दिशा निर्देश असम सिविल सेवा नियम 1965 के नियम 26 के प्रावधान के अनुसार जारी किए गए हैं। नियम का उल्लंघन करने पर अनुशासनात्मक प्राधिकरण सरकारी सेवक के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई शुरू की जा सकती है। ऐसे में असम के राज्य कर्मियों द्वारा इस नियम का उल्लंघन करने पर उन पर बड़े जुर्माना लगाए जा सकते हैं।

सीमांत के घरों में साफ दिख रहे पाकिस्तान की क्रूरता के निशान, रसोई पर गिरा बम

जम्मू। जम्मू कश्मीर में शांति के माहौल से पाकिस्तान में बौखलाहट साफ दिख रही है। गुरुवार को पाकिस्तान ने जम्मू के सीमांत क्षेत्र अरनिया सेक्टर में भारी गोलीबारी की। इसके निशान सीमांत क्षेत्र के घरों और खेतों में साफ दिख रहे हैं। पाकिस्तानी की तरफ से हुई गोलीबारी में गांव बुलेचक में एक घर को भारी नुकसान पहुंचा है। गोलीबारी से घर की रसोई पूरी तरह तहस-नहस हो गई है। रसोई में रखा फ्रिज, बर्तन व अन्य सामान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। गनिमत रही कि बम गिरने के समय रसोई में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। नहीं तो जानी नुकसान भी हो सकता था। पाकिस्तान की गोलीबारी के बाद लोगों में रोष और खौफ दोनों देखने को मिल रहे हैं। लोगों का कहना है कि सरकार सीमांत क्षेत्र के ग्रामीणों को भी

पश्चिम बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक गिरफ्तार

कोलकाता। इनफोर्समेंट डायरेक्टरेट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के वन मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक को गिरफ्तार कर लिया। श्रेष्ठ की टीम गुरुवार सुबह 8 बजे के करीब मलिक के घर पहुंची थी। 20 घंटे तक श्रेष्ठ ने मलिक के घर और अन्य 7 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया।

आखिर में शुक्रवार सुबह 4 बजे मलिक को राशन घोटाले के आरोप में अरेस्ट कर लिया। गिरफ्तारी के बाद मीडिया से बातचीत में मलिक ने कहा- वह एक साजिश का शिकार हैं। बता दें वन मंत्रालय से पहले मलिक के पास खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग का प्रभार था।

सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय जांच एजेंसी ने बिजनेसमैन बकीबुर रहमान की गिरफ्तारी के बाद मलिक के घर छापा मारा। रहमान को पिछले हफ्ते कैखाली स्थित उनके फ्लैट पर 53 घंटे से अधिक समय तक चली ईडी की छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया गया था।

रहमान के फ्लैट से सरकारी दफ्तरों की मोहरें लगे 100 से ज्यादा दस्तावेज मिले थे। रहमान अपने चावल मिल व्यवसाय के अलावा कई होटल, रिसॉर्ट और बार के भी मालिक हैं।

पश्चिम बंगाल के मंत्री पर क्या है आरोप- ईडी सूत्रों ने बताया कि रहमान की कंपनियों में 50 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया गया था।

कांग्रेस की जिद पड़ सकती है इंडिया अलायंस पर भारी

नई दिल्ली/भोपाल। विपक्षी दलों के गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है. डेढ़-दो साल तक प्रयास करने के बाद इस अलायंस को अमली जामा पहनाने वाले नीतीश कुमार की पार्टी ने भी अब मध्य प्रदेश में खम ठोंकने का ऐलान कर दिया है. अखिलेश यादव पहले से ही नाराज चल रहे हैं. कांग्रेस बस इस बात के इंतजार में है कि पांचों राज्यों के चुनावी नतीजे मे ऊंट किस तरफ बैठता है, यह देख लिया जाए तो फिर वह सीटों के बंटवारे या बाकी चीजों पर ध्यान दे. बाकी, छोटे दलों को कांग्रेस की इस बात से ही दिक्कत है. बिना किसी कार्यक्रम और घोषित एजेंडे के केवल मोदी-विरोध के नाम पर एकजुट हुए ये दल कितनी दूर चल पाते हैं, यह अभी से संशय के घेरे में आ गया है।

गठबंधन का बिखरना लगभग तय था. पूरी दुनिया की राजनीति में आप देख लें तो वे गठबंधन चलते हैं, जिनमें एक कार्यक्रम

और दीर्घकालीन राजनीति के तहत सैद्धांतिक-वैचारिक कार्यक्रम तय होते हैं. ये जो गठबंधन बना है, जिसे कोई इंडिया गठबंधन कहता है तो भाजपा वाले घमंडिया गठबंधन कहते हैं, इसका एकमात्र आधार जो है, वह है भारतीय जनता पार्टी और पार्टी में भी नरेंद्र मोदी का विरोध. यह व्यक्ति विशेष के विरोध पर बना हुआ गठबंधन था, तो इसका बिखरना तय था।

अतीत के गठबंधनों की खासियत थी कि वे सारे कांग्रेस के खिलाफ हुए थे, ये पहला गठबंधन है जो भाजपा के खिलाफ बना है और उसमें कांग्रेस भी एक हिस्सा है. कांग्रेस अभी तक अपने अतीत के व्यामोह से निकल नहीं पायी है. वह अभी तक मानती है कि पूरी दुनिया उसी के इर्द-गिर्द घूमती है. इसमें उसका नेतृत्व खासकर राहुल गांधी जिस तरह व्यवहार कर रहे हैं, तो ऐसा होना तय ही था. इसलिए, इसमें आश्चर्य की कोई खास बात नहीं है. यह तो पहले से ही लगभग तय था और इसमें कोई अनहोनी नहीं हो रही है. यह बिखराव की

कांग्रेस के लिए है मैसेज

मध्य प्रदेश में अखिलेश हों, नीतीश हों या आम आदमी पार्टी हो, सबको चुनाव लड़ना ही है और यह एक तरह से लिटमस टेस्ट भी है. अगर कांग्रेस इनको अकोमोडेट नहीं करती है, तो ये अपने दम पर लड़ेंगे. हो सकता है कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में ये पार्टियां खाता भी न खोल सकें, लेकिन आखिरकार ये पार्टी कांग्रेस की राजनीति को ही डेंट करेंगी, उसी की राजनीति को नुकसान पहुंचाएंगी. ये कांग्रेस के लिए मैसेज भी है कि दिल्ली, उत्तर प्रदेश या बिहार हो..अगर आप इन दलों को बाहर नहीं मैनेज कर रहे हैं तो इन तीनों राज्यों में कांग्रेस को अपने लिए भी उम्मीद छोड़ देनी चाहिए।

यह कांग्रेस को ही महंगा पड़ेगा. हालांकि, कांग्रेस के जो शुभचिंतक हैं, सिविल सोसायटी में या बुद्धिजीवी वर्ग में या मीडिया में, वो कोशिश कर रहे हैं कि बात बिगड़े नहीं, बात बन जाए. हालांकि, ऐसा लग रहा है कि बात पहले ही बिगड़ चुकी है. कांग्रेस के एक नेता का अखिलेश के खिलाफ बयान या फिर कमलनाथ का गठबंधन की बैठक को टालना, ये सब देखकर तो विपक्षी नेताओं को पहले ही समझ लेनी चाहिए थी. फिलहाल, कांग्रेस पांच राज्यों के चुनाव का इंतजार कर रही है. उसको तो झुकना होगा और अगर वह नहीं झुकी तो समय से पहले इस गठबंधन का बिखराव भी हो सकता है।

शरद पूर्णिमा पर लगेगा चंद्र ग्रहण

नई दिल्ली। इस साल शरद पूर्णिमा पर साल का आखिरी चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है. माना जाता है कि पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान और दान का विशेष महत्व होता है इस बार चंद्र ग्रहण भी 28 अक्टूबर, शनिवार को ही लगने जा रहा है, जो कि भारत में दृश्यमान होगा।

फार्म हाउस के मालिक बनें
मात्र 51000/- की
बुकिंग राशि में
हमारे पूर्ण विकसित प्रोजेक्ट
DREAMLAND FARM
कोलार रोड़ में बुक करें और
तुरंत पजेशन प्राप्त करें।
ऑफर मात्र नवरात्रि तक
सम्पर्क -7470487994

सखी सहेली गोल्डन ग्रुप ने मनाया प्री करवा चौथ उत्सव

भोपाल। सखी सहेली गोल्डन ग्रुप द्वारा प्री करवा चौथ उत्सव नन्दन पैलेस मे आयोजित किया गया। करवा क्वीन विनर शैफालिका श्रीवास्तव रही , सोलह श्रृंगार विनर अंकिता बनर्जी, रनरअप बबिता बेन रही संस्था की कोर सदस्य लता श्रीवास्तव, अनु श्रीवास्तव, नीना सक्सेना,ममता श्रीवास्तव, निहारिका निगम, दुर्गेश सक्सेना, सरिता श्रीवास्तव, मीना श्रीवास्तव कुसुम सक्सेना, मधुर सिन्हा, प्रीति खरे उपस्थित हुए आज के कार्यक्रम के कार्यक्रम की शुरुआत गणेश जी की आरती से की गई दो छोटी बच्चियो ने गणेश वंदना की महिलाओ द्वारा नृत्य, सामूहिक नृत्य, सामूहिक गेम्स और तम्बोला भी खेला गया कार्यक्रम का संचालन मधुर सिन्हा द्वारा किया गया।

हनुमानजी की पूजा अर्चना कर दाखिल किया नामांकन

जनसेवा का सनातन संकल्प सदैव निभाऊंगा: रामेश्वर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

हुजूर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी विधायक रामेश्वर शर्मा ने गुरुवार की दोपहर अपना नामांकन पत्र रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष दाखिल किया। इसके पूर्व वे सुबह घर से निकलकर सीधे चार इमली हनुमान मंदिर पहुंचे और वहां हनुमानजी को साष्टांग प्रणाम कर पूजा अर्चना की। तत्पश्चात बंगले से रवाना होने के पूर्व श्री शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती संगीता शर्मा ने उन्हें विजय तिलक किया और दही खिलाकर शुभकामनाएं व्यक्त की। इसके बाद वह क्षेत्र के वरिष्ठ नेताओं के साथ नामांकन दाखिल करने हुजूर तहसील कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने शुभ मुहूर्त में हुजूर विधानसभा के रिटर्निंग ऑफिसर आशुतोष शर्मा के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उन्होंने आज नामांकन पत्र के दो अलग अलग सेट दाखिल किए। इस दौरान तहसील कार्यालय में उनके साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील वासवानी, रमेश वर्मा, भागीरथ पाटीदार, बालाराम मीणा, रमेश जनयानी, ओमप्रकाश मेवाड़ा, हरिनारायण पटेल, प्रकाश अहिरवार, रघुनाथ सिसोदिया, श्रीमती चंद्रेश सुरेश राजपूत, धन्नालाल बघेल, सुमारैया जामोद, सरदार बारमेया मौजूद रहे। नामांकन के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए भाजपा प्रत्याशी रामेश्वर शर्मा ने कहा कि जब से राजनीति में आया मैंने जन सेवा का सनातन संकल्प लिया है। सनातन संकल्प कभी खाली नहीं जाता। इसे सदैव निभाऊंगा। पिछले 10 वर्षों में भी विधायक रहते हुए मैंने क्षेत्र की सेवा और जनकल्याण में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। इस बार पुन: विधायक बनकर हुजूर विधानसभा क्षेत्र के घर-घर में खुशहाली आए, सबको रोजगार मिले और हुजूर विधानसभा सिर्फ भोपाल में ही नहीं अपितु पूरे मध्य प्रदेश में नंबर वन बनकर उभरे इस हेतु कार्य करूंगा।

तबादला एवं नई नियुक्ति पाने वाले कर्मचारी मतदान करने से रह सकते हैं वंचित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव उमाशंकर तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश में विधानसभा के चुनाव 17 नवंबर को होने वाले हैं इस चुनाव हेतु प्रदेश भर में कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान ही कर्मचारियों को फॉर्म प्रारूप 12 भरने को दिया जा रहा है जिसके भरने पर कर्मचारियों को डाक मत पत्र प्राप्त होगा जिसके मिलने पर वह कर्मचारी अपना डाक मत पत्र अपने क्षेत्रीय विधानसभा के उम्मीदवार को दे सकेंगे। लेकिन प्रदेश में ऐसे हजारों कर्मचारी हैं जो कर्मचारी पर स्थल पर कार्य कर रहे हैं वहां उनका मतदान केंद्र और ईपिक नहीं है उनके मूल निवास स्थान पर ही है। ट्रांसफर होने या नई नौकरी होने की वजह से वह दूसरे विधानसभा क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं अपने स्थाई निवास के पते पर ही उनका मतदान केंद्र है । वहीं का उनका वोटर आईडी बना हुआ है इस कारण परेशानी उत्पन्न हो रही है कि उन कर्मचारियों को फॉर्म प्रारूप 12 मिल रहा है लेकिन वोट कैसे डालेंगे क्योंकि प्रारूप 12 में संबंधित जिले में ही जो विधानसभा में उम्मीदवार खड़े हुए हैं उन्हीं के मतपत्र प्राप्त होते हैं और उन्हीं को मतदान करना होता है। ईपिक नंबर आदि सब भर के जानकारी देना पड़ती है। निवास कहीं और कार्यरत कहीं रहने के कारण ऐसे कर्मचारी अपने अपने कार्य स्थल पर रहते हुए मतदान करने से वंचित रह सकते हैं।

भारत निर्वाचन आयोग एवं राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी महोदय से निवेदन है के ऐसे कर्मचारी एवं पुलिस अधिकारी कर्मचारियों के लिए भी मतदान के लिए स्पष्ट दिशा निर्देश जारी किए जाएं ताकि कोई भी कर्मचारी अपने मतदान से वंचित न रह जाए ताकि मतदान महादान शत प्रतिशत मतदान का लक्ष्य पूरा हो।

भोपाल। दक्षिण पश्चिम क्षेत्र के लिए भाजपा के चुनाव कार्यालय का शुभारंभ प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने किया। इस मौके पर प्रत्याशी भगवान दास सबनानी एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

वार्ड 72 शक्ति केंद्र एवं बूथ अध्यक्षों की बैठक संपन्न

भोपाल। गोविंदपुरा विधानसभा संयोजक टी आर मिश्रा, विधानसभा प्रभारी बारेलाल अहिरवार, भानपुर मंडल अध्यक्ष निलेश गौर, भाजपा अजजा मोर्चा भोपाल जिला प्रभारी, मंडल चुनाव प्रभारी बालिस्ता रावत, वार्ड 72 के पार्षद जोन 16 के अध्यक्ष विकास पटेल, मंडल महामंत्री विमलेश कुमार, विधायक प्रतिनिधि, चुनाव सह प्रभारी विनोद साहू, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष पूनम प्रजापति ने वार्ड 72 के शक्ति केंद्र तथा बूथ अध्यक्षों की बैठक को किया संबोधित। बालिस्ता रावत ने कहा कि कार्यकर्ता के परिश्रम तथा मतदाताओं के सहयोग से गोविंदपुरा विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी ऐतिहासिक जीत दर्ज कराती है, इस बार भी ऐतिहासिक रिकार्ड से जीत दर्ज होगी, रावत ने शक्ति केंद्र पदाधिकारियों तथा बूथ समिति के पदाधिकारियों के द्वारा किए जाने वाले कार्यों की जानकारी देकर जिम्मेदारी सौंपी।बैठक में गायत्री गायकवाड़, नारायण साहू, मुकेश ठाकुर, मदनलाल माली, भागवती पटेल, रवि शंकर लोधी, रमा कुशवाह, चंद्रप्रकाश गौर, मुकेश बघेल, कैलाश सोनी, शुभम कोरी, शेखर गौर, रंजीत कुमार, द्वारका प्रसाद गौर, बलराम रजक, मो.सईद, रश्मि सोनी, राजकुमारी परिहार, बीमा देवी, राकेश दास एवं अनेकों पदाधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गौर ने नामांकन दाखिल कर वार्ड 56 में किया जनसंपर्क

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विधानसभा चुनाव के तहत गोविन्दपुरा विधानसभा क्षेत्र के लिए भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी के रूप में कृष्णा गौर ने अपना नामांकन रिटर्निंग अधिकारी को जमा किया है। गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गौर भाजपा जिला अध्यक्ष सुमित पचोरी के साथ नामांकन जमा करने पहुंची। कृष्णा गौर ने निर्वाचन कार्यालय में पहुंचकर नामांकन फार्म जमा करने के बाद उन्होंने मीडिया से दूसरी बार जीत का दावा किया। इसके साथ ही मप्र मे इस बार भी भाजपा की सरकार बनने की बात कही। नामांकन दाखिल करने के बाद भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गौर ने कहा की गोविंदपुरा की जनता नहीं, गोविंदपुरा एक परिवार है, परिवार का आशीर्वाद हमेशा रहा है। इस बार भी रहेगा, कृष्णा गौर ने कहा कि जितने मतों से पिछली बार जीत हुई थी, गोविंदपुरा की जनता उससे अधिक मतों से जिताने के लिए इस बार आतुर है। परिवार के लोगों से निवेदन है कि काम किए हैं, सुख-दुख में खड़ी रही हूं, गोविंदपुरा विधानसभा को हमेशा विकसित करूंगी। विधानसभा के लिए हर पल खड़ी हूं, हर पल मेहनत करती रहूँगी।

नामांकन दाखिल करने के बाद भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गौर ने गुरुवार को वार्ड 56, साकेत मंडल में बरखेड़ा पठानी हनुमान मंदिर मेन रोड में दर्शन उपरांत, शंकर नगर, मस्के कालोनी, होली बाडा, माता मंदिर अटल चौराहा, पाल साहब, नीलम चौकसे की दुकान, बंजरग मार्केट, इन्द्रा नगर मानवेन्द्र जी के घर डी सेक्टर पोस्ट आफीस, विजय मार्केट, ए सेक्टर, कृष्णा मंदिर बरखेडा, जानवत सिंह मीणा के घर, तोरण सिंह मीणा के घर, अभिमन्यु के घर, कमलेश परमार के घर, नेहरू मार्केट, कन्या स्कूल, जे.पी. मार्केट, रविदास मोहल्ला साकेत नगर, बी.डी.ए. कालोनी, ममता भदौरिया के घर, योगेश नायक के घर, 3 सी सेक्टर में जनमिलन किया।

एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल में एथलेटिक मेगा इवेंट का शुभारंभ

भोपाल।एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल द्वारा आयोजित सीबीएसई क्लस्टर 12 एथलेटिक प्रतियोगिता का उद्घाटन आज दिनांक 26 अक्टूबर को स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया भोपाल सर्किल के डायरेक्टर अभिषेक सिंह चौहान एलएनसीटी ग्रुप के अध्यक्ष जय नारायण चौकसे जी, एलएनसीटी ग्रुप के सेक्रेटरी डॉक्टर अनुपम चौकसे जी, एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल की डायरेक्टर पूजश्री चौकसे जी, सीबीएसई ऑब्जर्वर जॉन्सी कोसी के द्वारा स्कूल प्राचार्य चैतन्य सक्सेना एवं सचिव सागर रायकवार की उपस्तिथि में किया गया प्रतियोगिता के पहले दिन 100 मीटर 400 मीटर 1500 के साथ-साथ के साथ-साथ हाई जंप जैवलिन थ्रो और डिस्कस थ्रो के इवेंट आयोजित किए गए। जिसमें अंडर 17 बालिका वर्ग 1500 मीटर से द ऑक्सफोर्ड हायर सेकेंडरी स्कूल की ईशा पटेल ने प्रथम, क्लॉथ मार्केट वैशणव गर्ल्स स्कूल इंदौर की रितिका पाटनी ने दूसरा एवं साइना इंटरनेशनल स्कूल कटनी की वैभवी बंसल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर 19 बालिका वर्ग 1500 मीटर से दिल्ली कॉलेज इंदौर की सिद्धीक्षा सिंह ने प्रथम स्थान आदित्य बिरला सीनियर सेकेंडरी स्कूल नागदा की प्रिया प्रियंका शेखावत ने दूसरा स्थान, क्राइस्ट ज्योति स्कूल सिंगरौली की खुशबू कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।वही अंडर-19 डिस्कस थ्रो इवेंट में सागर पब्लिक स्कूल भोपाल की गरिमा राठौर ने प्रथम स्थान,डेली कॉलेज इंदौर की ऋषिका देशपांडे ने दूसरा स्थान एवं ज्योति सीनियर सेकेंडरी स्कूल रीवा की अन्व्या सिंह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया अंडर 17 डिस्कस थ्रो में एसएल मेमोरियल स्कूल गुना की भक्ति गोस्वामी ने प्रथम स्थान, डेली कॉलेज इंदौर की उमरा सेठी ने दूसरा स्थान एवं सागर पब्लिक स्कूल सकेत नगर की आशीष शर्मा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

अमेरिकी विश्वविद्यालय माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय परिसर में मौसम स्टेशन करेगा स्थापित

प्रो. सुरेश सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यूयॉर्क के साथ साझाहित विवरण पर करेंगे हस्ताक्षर

भोपाल । सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यूयॉर्क का ब्रोंक्स कम्युनिटी कॉलेज 30 और 31 तारीख को विश्वविद्यालय परिसर में होने वाले दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान स्ष्ट परिसर में जलवायु परिवर्तन की निगरानी के लिए एक सौर ऊर्जा संचालित मौसम स्टेशन स्थापित करेगा। बीसीसी की पहल को अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास के अनुदान से वित्त पोषित किया गया है । यह स्टेशन भोपाल में सूक्ष्म पैमाने पर वायु गुणवत्ता और मौसम की निगरानी करेगा । यह मध्य भारत में पहला होगा । कुलपति प्रोफेसर सुरेश ने कहा, ॎबीसीसी/सीयूएनवाई और एमसीयू इस अवसर पर साझाहित के एक वक्तव्य (एसएसआई) पर हस्ताक्षर करेंगे, जिसमें अकादमिक सहयोग, छात्र और संकाय आदान-प्रदान, अनुसंधान सहयोग और संयुक्त सेमिनार और कार्यशालाएं शामिल हैं।ॎ उन्होंने यह भी साझा किया कि चूंकि जलवायु परिवर्तन दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है, इस उपकरण की स्थापना से स्थानीय हितधारकों को अपने रोजमर्रा के जीवन के बारे में मौसम संबंधी मदद करने के लिए डेटा पहुंचने में, निर्णय लेने में मदद मिलेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली विभिन्न चुनौतियों को समझने और उनका समाधान करने के लिए विभिन्न अनुसंधान, नियंत्रण की योजना और अन्य जागरूकता प्लेटफार्मों के लिए एक मिशन शुरू किया जाना चाहिए।

सीयूएनवाई के रसायन विज्ञान, पृथ्वी, विज्ञान विभाग की व्याख्याता प्रोफेसर परमिता सेन, इंडिया सेंटर के निदेशक और नील फिलिप, विभाग के अध्यक्ष और ष्टहृङ्ग/ष्टक्रश्वस्ञ्ज में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के निदेशक के अनुसार, एमसीयू का मौसम स्टेशन तापमान, वायु गुणवत्ता, आर्द्रता के स्तर, सौर विकिरण, पराबैंगनी किरणों, भोपाल में डाइऑक्साइड का स्तर और कार्बन को कहीं से भी सटीक रूप से मापने और पहुंचने में मदद करेगा। मौसम स्टेशन दिन के उजाले के दौरान सौर ऊर्जा पर चलता है। सौर ऊर्जा रात में या बादल वाले दिनों में निरंतर संचालन के लिए लिथियम बैटरी को भी चार्ज करती है। मौसम डेटा को %वेदर अंडरग्राउंड% नेटवर्क से जोड़ा जाएगा और भोपाल को जलवायु निगरानी के विश्व मानचित्र पर लाया जाएगा। इस एजेंडे में सहयोग करने वाले संस्थान अध्ययन के लिए पाठ्यक्रम में मौसम/वायु गुणवत्ता को शामिल करने की भी योजना बना रहे हैं। इस सहयोग के लिए 18 अक्टूबर, 2023 को विश्वविद्यालय में एक छात्र पोस्टर प्रस्तुति - प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने जलवायु परिवर्तन और मानसूनॎ विषय पर पोस्टर डिजाइन किए। इसके नतीजे 31 अक्टूबर 2023 को लॉन्च इवेंट के दौरान घोषित किए जाएंगे। अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास, मुंबई द्वारा दिए गए अनुदान ने पश्चिमी भारत के सात उच्च शिक्षा संस्थानों में मौसम निगरानी स्टेशन की स्थापना का नेतृत्व किया है।

ओ पी एस के समर्थन में प्रधानमंत्री को लिखेंगे 5 लाख पोस्टकार्ड

भोपाल। मध्य प्रदेश के एनपीएस धारक 5 लाख कर्मचारी नई पेंशन योजना एनपीएस के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना ओ पी एस लागू करने की मांग के समर्थन में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मध्य प्रदेश से 5 लाख पोस्टकार्ड लिखकर भेजेंगे पोस्टकार्ड अभियान 1 नवंबर 2023 मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस से शुरू किया जाएगा।मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि भारत सरकार ने 2005 के बाद नियुक्त सरकारी कर्मचारियों को नई पेंशन योजना एनपीएस के दायरे में रखा है एनपीएस योजना बाजार बाजारवादी है तथा इस एनपीएस योजना में कर्मचारियों को पेंशन मिलने की कोई गारंटी नहीं है फिर भी भारत सरकार ने जबरदस्ती सन 2005 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के ऊपर थोप दी है जबकि कर्मचारी शुरू से ही नई पेंशन योजना एनपीएस का विरोध कर रहे हैं और पुरानी पेंशन योजना ओ पी एस ही लागू करने की मांग कर रहे हैं भारत सरकार की एनपीएस योजना के विरोध में 1 अक्टूबर 2023 को एनपीएस धारक कर्मचारियों द्वारा दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल महा रैली धरना दिया गया था तथा भारत के प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया था उसके बावजूद भी भारत सरकार नहीं चेती है और पेंशन के संबंध मेंअब भारत सरकार ने वित्त मंत्रालय की एक समिति बनाकर नई पेंशन योजना एनपीएस में संशोधन करके एक निश्चित पेंशन सन् 2005 के बाद की नियुक्त एनपीएस धारक कर्मचारियों को देने का प्रस्ताव तैयार किया है लेकिन यह प्रस्ताव भी पुरानी पेंशन योजना ओ पी एस के बराबर नहीं है इस प्रस्ताव में भी कर्मचारियों के वेतन से पेंशन के लिए राशि काटने का प्रस्ताव है इसलिए एनपीएस धारक कर्मचारियों को भारत सरकार का पेंशन संशोधन प्रस्ताव मंजूर नहीं है मध्य प्रदेश के 5 लाख एनपीएस धारक कर्मचारी प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड पर नई पेंशन योजना एनपीएस के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना ओ पी एस लागू करने की पुरजोर मांग करेंगे।

कमलनाथ के बयान पर केंद्रीय मंत्री का पलटवार,बोले- चुनावी हिन्दू हैं कांग्रेसी

रामभक्तों पर जब गोलियां चल रही थीं तब कहां थे कमलनाथ: प्रहलाद पटैल

सागर। भाजपा के दिग्गज एवं केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्कर उद्योग एवं जलशक्ति मंत्री प्रहलाद पटैल ने कहा कि जब रामभक्तों के सीनों को गोलियां छलनी कर रही थीं तब कमलनाथ कहां थे, उस वक्त उन्हें हिन्दुत्व और सनातन की रक्षा का विचार नहीं आया। हकीकत ये है कि कमलनाथ चुनावी हिन्दु हैं। श्री पटैल ने ये बात कमलनाथ के उस बयान का जवाब देते हुये कही,जिसमें नाथ ने कहा कि अयोध्या में बनने वाला राममंदिर सनातन की पहचान है। वे नरियावली विधानसभा से प्रत्याशी प्रदीप लारिया के समर्थन में ग्राम परसोरिया में आयोजित आमसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि साढ़े चार सौ साल के अथक संघर्ष और चार लाख शहादतों के बाद आज सुखद संयोग उपस्थित हुआ है कि हम राममंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के गौरवशाली क्षणों को देख सकेंगे। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी प्रत्येक भारतीय के लिए इस सदी का सबसे शुभ दिन है।

उन्होंने कहा कि लालच देना भाजपा का स्वभाव कभी नहीं रहा। 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने जीतने के पहले कभी नहीं कहा कि वे साढ़े तीन करोड़ कच्ची छतों के नीचे रहने वाले लोगों को पक्का मकान देंगे। जब उन्होंने पीएम आवास योजना शुरु की तो ये सकारात्क परिणाम सामने आए। पीएम नरेंद्र मोदी ने जीतने के पहले ये भी नहीं कहा था कि वे साढ़े 11 करोड़ शौचालयों का निर्माण कराकर महिलाओं के मान-सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा करेंगे। श्री मोदी ने 9 करोड़ 60 लाख उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिए हैं, इसका जिक्र भी उन्होंने चुनाव जीतने के पूर्व नहीं किया।

भाजपा लालच नहीं देती। राज्य में भी शिवराज सरकार ने कभी चुनाव जीतने के लिये घोषणाओं की तिकड़मबाजी नहीं अपनायी, ये केवल कांग्रेस की फितरत है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से दिग्विजय सिंह ने सीएम की कन्या पूजन की परंपरा को नौटंकी कहा है,वो शर्मनाक है। नर्मदा परिक्रमा करने के बाद भी उनकी सोच में बदलाव नहीं आया, ये विचारणीय प्रश्न है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की कर्जमाफी की घोषणा का स्याह पहलू ये है कि दो सौ से ज्यादा किसानों ने आत्मदाह कर लिया और कमलनाथ के मुख पर दुःख का चिन्ह तक दिखाई नहीं देता। नरियावली विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी एवं वर्तमान विधायक प्रदीप लारिया के बारे में केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि वे श्री लारिया को व्यक्तिगत तौर पर जानते हैं। प्रदीप सुशील और संस्कारी हैं। उन्होंने कहा कि चौथी बार जीतने के बाद प्रदीप सिर्फ विधायक नहीं रहेंगे। देश, प्रदेश और अपने क्षेत्र का विकास आपके हाथ में हैं इसलिए भाजपा के कमल निशान को विजयी बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रदीप ने सदैव क्षेत्र के विकास के लिए काम किया है और वे हमेशा जमीन पर रहते हैं।

खैरात नहीं सम्मान है लाड़ली बहना योजना

पटैल ने मातृशक्ति से कहा कि लाड़ली बहना योजना की जो राशि आपके खाते में आ रही है,वो खैरात नहीं है,बल्कि भाजपा का आपके प्रति सम्मान है,जिसे आप स्वीकार करें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आपके सम्मान का अपमान कर रही है,जो बर्दाश्त करने लायक नहीं है। उन्होंने कहा कि विचार-विकास और व्यक्ति पर गौर करने के बाद निर्णय लेना ही श्रेयस्कर होगा। भाजपा का विचार सिर्फ विकास नहीं है,बल्कि विरासत के संरक्षण को साथ लेकर चलने के लिये भी भाजपा संकल्पित है। आमसभा में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में नागरिक व मातृशक्ति की उपस्थिति रही।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की विशेष उपस्थिति में पूर्व मंत्री जयवर्द्धन सिंह ने राघौगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया।

छात्राओं ने रैली निकालकर दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विधानसभा निर्वाचन- 2023 के अंतर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह के निर्देशानुसार जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप प्लान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी के अंतर्गत शासकीय नवीन कन्या विद्यालय तुलसीनगर की छात्राओं ने रैली निकालकर मतदाता जागरूकता का संदेश साथ ही मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित किया। छात्राओं ने निर्भीक, निष्पक्ष और नैतिक मतदान की शपथ भी मतदाओं को दिलवाई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मतदाता जागरूकता अंतर्गत रंगोली बनाकर एवं रैली निकालकर महिलाओं को मतदान के लिये प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही उन्हें मताधिकार उपयोग के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

रंगोली एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के माध्यम से बताया मतदान का महत्व

शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल में मतदाता जागरूकता अभियान एवं स्वीप सप्ताह के अंतर्गत आयोजित चित्रकला विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में रंगोली एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पुष्पलता चौकसे, निर्णायिका डॉ. रेखा धीमान, नोडल अधिकारी डॉ. आरएस नरवरिया, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आर पी शाक्य ने सभी प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया गया। कैंपस एंबेसडर राकेश पंडित, इरफान अंसारी एवं सभी प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय तृतीय, प्राप्त करने वालों को कलेक्टर द्वारा सम्मानित किया जाएगा। एनएसएस के प्रियांश साहू, आशु, शिवांश, नंदू एवं अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

सम्पत्ति विरूपण के विरूद्ध कार्रवाई जारी, बैनर, पोस्टर हटाए

भोपाल। नगर निगम द्वारा संपत्ति विरूपण के विरूद्ध सख्त कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी क्रम में निगम के संपत्ति विरूपण दलों ने गुरूवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों, शासकीय / अशासकीय भवनों आदि पर लगाई गई विभिन्न प्रकार की प्रचार / विज्ञापन सामग्री को हटाने की कार्यवाही करते हुए 37 पोस्टर, बैनर, फ्लैक्स इत्यादि सहित अन्य प्रकार की प्रचार / विज्ञापन सामग्री हटाई तथा 04 स्थानों पर दीवार लेखन पर पुताई भी कराई गई। निगम आयुक्त श्री फ्रैंक नोबल ए द्वारा आदर्श आचार संहिता के दिशा निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने तथा सार्वजनिक स्थानों / शासकीय / अशासकीय संपत्तियों पर लगाये गये बैनर, पोस्टर, फ्लैक्स, बोर्ड, पंपलेट व दीवार लेखन कर संपत्तियों को विरूपित करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देशों के परिपालन में निगम के संपत्ति विरूपण दलों ने सभी 21 जोनों के 85 वार्ड क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए 09 फ्लैक्स/ बैनर, 23 पोस्टर / पंपलेट तथा 05 अन्य प्रकार की सामग्री हटाने की कार्यवाही की साथ ही 04 स्थानों पर दीवार लेखन पर पुताई भी कराई गई। निगम की यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

डेंगू की रोकथाम लिए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों की ली बैठक

भोपाल। नगर निगम एवं मलेरिया विभाग की समन्वय बैठक आई.एस.बी.टी. सभागार में कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कलेक्टर द्वारा नगर निगम कमिश्नर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी एवं जिला मलेरिया अधिकारी श्री अखिलेश दुबे को डेंगू की रोकथाम के लिए निर्देश दिए गए। नगर निगम के स्वास्थ्य अमले के साथ सयुक्त प्लान तैयार किया गया हैं, जिसमे शहर के संवेदनशील इलाको में लार्वा सर्वे के साथ स्पॉट फाईन की कार्यवाही की जाए। डेंगू पाए गए एरिया में एक सप्ताह तक लगातार फॉगिंग का कार्य नगर निगम द्वारा किया जाए, जिससे संक्रमित मच्छर को खत्म किया जा सके। मलेरिया अधिकारी द्वारा बताया गया कि 25 से 31 अक्टूबर तक सघन अभियान चला कर लार्वा विनाष्टीकरण की कार्यवाही की जाएगी। जलभराव वाली जगहों पर गंबुसिया मछली डाली जाए। मलेरिया कार्यालय की टीम के साथ नगर निगम कि टीम स्प्रे एवं चालान की कार्यवाही करेगी। बुधवार को भोपाल के सभी 21 जोन में 1301 घरों का सर्वे किया गया । नगर निगम द्वारा कुल तीन हजार 300 रुपए के चालान किए गए।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने बुधनी विधानसभा क्षेत्र में निकाली जन आशीर्वाद यात्रा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरूवार को सीहोर जिले के बकतरा में राम जानकी मंदिर में पूजा अर्चना-कर अपने विधानसभा क्षेत्र बुधनी में जन आशिर्वाद यात्रा का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश एवं देशवासियों के मंगल एवं कल्याण के लिए प्रार्थना की। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भावुक होते हुए कहा कि, आज फिर बकतरा आया हूँ, वही बकतरा जहां मैंने छोटे-छोटे काम करके अपने राजनैतिक जीवन की शुरुआत की थी। कई यादें यहाँ से जुड़ी हैं। यह मेरी जन्म भूमि है, यह पुण्यभूमि है, यह कर्मभूमि है और यही मातृभूमि है। उन्होंने कहा कि, आज मैं भाषण देने नहीं आया हूँ। मैं तो यह कहने आया हूँ कि अब आप अपना काम संभालो, तुम ही शिवराज हो। आप सब शिवराज बनकर इस चुनाव को लड़ो। गुरुवार को पूरे दिन जन आशीर्वाद यात्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने विधानसभा क्षेत्र के अनेक गांवों में आशीर्वाद लिया, जो देर रात तक जारी रहा। इस दौरान हर नगर-हर गाँव में बस एक ही नारा गूंज रहा था, हमारी पहचान शिवराज सिंह चौहान।

इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को अपनी जन्मभूमि पर भरपूर प्यार, स्नेह और आशीर्वाद मिला। जहां-जहां से शिवराज का रथ गुजर रहा था, वहां से केवल फूलों की वर्षा और शिवराज जिंदाबाद की गूंज ही सुनाई दे रही थी। हर कोई मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की एक झलक पाने के लिए उत्साहित था। माताओं-बहनों ने पलक

पावड़े बिछाएं शिवराज का स्वागत-सत्कार किया। शिवराज पर बुधनी विधानसभा में बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, किसान, व्यापारी सबके स्नेह की बरसात हुई। कोई अपने भावों से अभिव्यक्त कर रहा था, तो कोई जय के उदघोषों से अपने भाव व्यक्त कर रहा था। बच्चों में तो अपने मामा शिवराज से मिलने का भारी उत्साह दिख रहा था। तो कोई मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को गले लगाकर स्नेह प्रकट कर रहा था। पूरे बुधनी क्षेत्र में लाड़ली बहनों ने अपने भैया शिवराज को आशीर्वाद दिया, तो वहीं युवाओं ने पुष्पों की बौछार से मामा शिवराज का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, अगर सच्चे मन से मैंने आपकी सेवा की है, तो मुझे आपका आशीर्वाद चाहिए। अगर मैंने आपका मान-सम्मान बढ़ाया है, तो मुझे आपका आशीर्वाद चाहिए। अगर मैंने बहनों का जीवन बदला है, तो मुझे आपका आशीर्वाद चाहिए। अगर मैंने बेटियों की पूजा शुरु करके उनके भविष्य को बेहतर बनाया है, तो मुझे आपका आशीर्वाद चाहिए। अगर मैंने खेतों में पानी पहुंचाया है और सड़कें बनायी हैं, तो मुझे आपका आशीर्वाद चाहिए, और अगर मैं आपके दुख-दर्द में काम आया हूं, तो मुझे आपका एकतरफा आशीर्वाद चाहिए।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि, अपने काम से मैंने आपका, मान, सम्मान और शान पूरे मध्यप्रदेश, देश और दुनिया में बढ़ाई है। मैंने आपका नाम डूबने नहीं दिया।

निर्वाचन आयोग ने विधानसभा क्षेत्रों के लिए सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किए

भोपाल। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभानिर्वाचन 2023 हेतु जिले की 7 विधानसभा क्षेत्रों के लिये सामान्य प्रेक्षक किये नियुक्त।भारत निर्वाचन आयोग ने 149- बैरसिया विधानसभा क्षेत्र के लिए कांतीलाल डाडे ढ्ढस् 1999 को सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किया है ,इनके लाइजनिंग अधिकारी के रूप में सत्य प्रकाश सैनी, उप संचालक, मोबाइल 9926816531 और मनोज चौधरी सहायक ग्रेड-3, मत्स्य विभाग, मो. 7225874370 रहेंगे । 150- भोपाल उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लिए राजेश कुमार यादव ढ्ढस् 1996 को सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किया है ,इनके लाइजनिंग अधिकारी के रूप में प्रदीप तिवारी मो.न. 9425153753 जिला खनिज अधिकारी, कार्यालय खनिज शाखा भोपाल और ए. नागले मो. 9425134320 सहायक खनिज अधिकारी, कार्यालय खनिज शाखा भोपाल लाइजनिंग अधिकारी नियुक्त किया गया है । 151- नरेला विधान सभा क्षेत्र के लिए प्रवीण एन गोदाम ढ्ढस् 2002 को सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किया है, इनके लाइजनिंग अधिकारी के रूप में अजय कुमार श्रीवास्तव मो. न. 9425013044 कन्ट्रोलर, विधानसभा और पूरन सिंह मो.न. 9425375238 एस.डी.ओ रहेंगे इसी प्रकार 152- भोपाल दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के लिए ज्योति प्रकाश दास ढ्ढस् 2010 को सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किया है, इनके लाइजनिंग अधिकारी के रूप में मनोज कुमार मिश्रा मो.न. 9424974078 कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन विभाग सचिन गजविये मो. 9424974078 उपयंत्री को लाइजनिंग अधिकारी पदस्थ किया गया है । 153- भोपाल मध्य विधानसभा क्षेत्र के लिए दीपेन्द्र कुमार ढ्ढस् 2007 को सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किया है ,इनके लाइजनिंग अधिकारी के रूप में सुधीर श्रीवास्तव मो.न. 9827606100 सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग, भोपाल और शाहिद खान, मो. न. 9039017990 अधीक्षक, आदिम जाति कल्याण विभाग, भोपाल लाइजनिंग अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे । 154- गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के लिए संदीप जे जैकस को सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किया है,इनके लाइजनिंग अधिकारी के रूप में बी एस कुशवाहा मो.न. 8770040911 सहायक संचालक, उद्यानिकी भोपाल और के.सी. जयसवाल मो.न. 9425028673 हार्टीकल्चर एक्सटेंशन अधिकारी, हार्टीकल्चर विभाग भोपाल लाइजनिंग अधिकारी रहेंगे । 155- हुजूर विधानसभा क्षेत्र के लिए तलत परवेज़ को सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किया है ,इनके लाइजनिंग अधिकारी के रूप में सुनील सोलंकी मो. न. 9425047133 जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बालविकास विभाग भोपाल और अखिलेश चतुर्वेदी सहायक परियोजना अधिकारी को लाइजनिंग अधिकारी बनाया गया है । जिले के समस्त 7 विधानसभा क्षेत्रों के लिए डॉ मनोज कुमार ढ्ढस् 2006 को पुलिस प्रेक्षक नियुक्त किया है । इनके लाइजनिंग अधिकारी के रूप में डॉ अजय रामटेके 9425450951 एवं ब्रजेश शर्मा 9893002888 को नियुक्त किया है।

एम्स में किशोर क्लीनिक का उद्घाटन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने एक किशोर क्लीनिक का उद्घाटन किया। ये किशोर क्लीनिक एम्स के विभिन्न विभागों मनोचिकित्सा, बाल चिकित्सा, एंडोक्रिनोलॉजी, प्रसूति एवं स्त्री रोग और सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा (सीएफएम) द्वारा संयुक्त रुप से चलाया जायेगा। ये क्लीनिक प्रत्येक माह के दूसरे और चौथे गुरुवार को दोपहर में अपनी सेवाएं प्रदान करेगा। इस अवसर पर प्रो डॉ. राजेश मलिक, डीन (अकादमिक), प्रोफेसर डॉ. शशांक पुरवार चिकित्सा अधीक्षक (कार्यवाहक), कर्नल (डॉ.) अजीत कुमार, उप निदेशक (प्रशासन) और प्रोफेसर डॉ. विजेंदर सिंह, प्रमुख, मनोचिकित्सा विभाग, रेजिडेंट डॉक्टर और संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

किशोरावस्था एक ऐसी अवस्था होती है जब किशोरों के मन में तमाम प्रकार के विचार आते है और ऐसे में उन विचारों को सही दिशा देना बहुत आवश्यक होता है। किशोरावस्था में

व्यवहार संबंधी, मनोसामाजिक,शारीरिक एवं स्कूल संबंधी समस्याएं हो सकती है। यह विशेष क्लीनिक किशोर लड़कों और लड़कियों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करेगा। इस क्लीनिक में देखभाल की जाने वाली सामान्य समस्याओं में भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक मुद्दे, विकास और वृद्धि से संबंधित मुद्दे, मासिक धर्म जैसे संवेदनशील मामलों से संबंधित मुद्दे, किशोर गर्भनिरोधक, टीकाकरण और एंडोक्रिनोलॉजी समस्याएं शामिल होंगी। यह क्लीनिक विशेष रूप से स्त्री रोग संबंधी और एंडोक्रिनोलॉजी समस्याओं, शरीर की छवि विरूपण से संबंधित समस्याओं को भी पूरा करेगा।

एम्स के डॉ. श्रीवास्तव ने दिया एसएसएमसी में व्याख्यान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. नीलेश श्रीवास्तव ने रीवा में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के श्याम शाह मेडिकल कॉलेज (एसएसएमसी) में एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट कैंसर इंडिया (एबीएसआई) और एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया (एएसआई) के सहयोग से आयोजित एक कार्यक्रम में स्तन कैंसर में सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी - तकनीक और भविष्य के पहलू पर व्याख्यान दिया। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने डॉ. नीलेश श्रीवास्तव को उनकी इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रारंभिक स्तन कैंसर निदान और उपचार के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों और प्रगति को उजागर करना था। सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी पर डॉ. श्रीवास्तव के व्याख्यान से स्तन कैंसर प्रबंधन में इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया की तकनीक और भविष्य की संभावनाओं के बारे में जानकारी मिली। सेंटिनल लिम्फ नोड

बायोप्सी स्तन कैंसर देखभाल का एक अनिवार्य घटक है, जो यह निर्धारित करने के लिए एक तकनीक के रूप में कार्य करता है कि कैंसर लिम्फ नोड्स में फैल गया है या नहीं। डॉ. श्रीवास्तव ने इस प्रक्रिया में वर्तमान तकनीकों और उभरते रुझानों को बताते हुए रोगी के परिणामों में सुधार लाने और पारंपरिक लिम्फ नोड विच्छेदन से जुड़ी रुग्णता को कम करने में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, डॉ. श्रीवास्तव ने सीएमई के एक वैज्ञानिक सत्र जिसमें केजीएमयू लखनऊ के डॉ. आनंद मिश्रा की प्रस्तुति प्रारंभिक स्तन कैंसर में स्थानीय पुनरावृत्ति के प्रबंधन की अध्यक्षता भी की।

संपादकीय

इतिहास नहीं, दृष्टिकोण बदलें

देखने में आ रहा है कि किसी विशेष विचारधारा के लोग इतिहास को ही बदलने पर तुले हुए हैं। इतिहास बदलने का मतलब सही को गलत लिखो और फिर दावा करो कि यही सही है। हाल में नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग यानि एनसीईआरटी की एक उच्चस्तरीय समिति ने स्कूलों में सोशल साइंस के पाठ्यक्रम में संशोधन से जुड़ी जो सिफारिशें दी हैं, उनमें से कुछ को महज अनावश्यक कहकर काम चलाया जा सकता है, लेकिन कुछ सिफारिशें ऐसी भी हैं जिनके पीछे की दृष्टि और उनका उद्देश्य गंभीर विचार-विमर्श की आवश्यकता निरूपित करता है।

समिति की जिस सिफारिश पर तत्काल और सबसे तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली वह यह है कि स्कूली किताबों में देश का नाम अब सिर्फ भारत ही लिखा जाए, इंडिया नहीं। यह मसला कुछ समय पहले ही चर्चा में आ चुका है और इसके पक्ष-विपक्ष में दलीलें भी उसी समय से दी जाती रही हैं। उसे अलग से यहां दोहराने की जरूरत नहीं है। लेकिन चूंकि दोनों ही नामों का जिक्र संविधान में है इसलिए दोनों में से किसी भी नाम को कमतर या हीन मानते हुए दिखना उचित नहीं कहा जाएगा।

खैर, अभी इस सलाह को एनसीईआरटी ने भी स्वीकार नहीं किया है, इसलिए साफ नहीं है कि इस सलाह का भविष्य क्या होने वाला है। फिर भी इतना जरूर है कि इस सलाह से न तो स्कूलों के पाठ्यक्रम में किसी तरह का कोई गुणात्मक बदलाव होना है और न ही बच्चों की सोच-समझ या पढ़ाई में कुछ घटना या बढ़ना है। ऐसे में बेवजह एक राजनीतिक विवाद शुरू करना एनसीईआरटी की इस समिति के लिए जरूरी नहीं था। इससे आसानी से बचा जा सकता था। लेकिन ऐसा लगता है कि समिति रचनात्मक सुझावों के बजाय विवादित सुझाव देना ही अपना लक्ष्य मानकर चल रही है।

समिति के अन्य सुझावों को बेवजह का नहीं बताया जा सकता है। न सिर्फ उनके पीछे पर्याप्त गंभीरता है बल्कि उन पर खास तरह की वैचारिकता की छाप भी दिखती है। उदाहरण के लिए, समिति की एक सलाह यह है कि अतीत में हुए युद्धों का जिक्र करते हुए स्कूली किताबों में 'हिंदू विजयों' को रेखांकित किया जाए। समिति के अध्यक्ष सीआई इसाक के शब्दों में, 'पाठ्यपुस्तकों में हमारी विफलताओं का जिक्र तो है, लेकिन मुगलों और सुल्तानों पर हमारी जीतों का जिक्र नहीं है।' स्पष्ट है, हिंदू जीतों पर जोर देने का समिति का आग्रह इस तथ्य से मेल खाता है कि समिति के अध्यक्ष खुद को युद्ध के एक पक्ष यानि मुगलों और सुल्तानों के खिलाफ और दूसरे पक्ष के साथ खड़ा करके इतिहास को देखने की कोशिश कर रहे हैं। यह नजरिया दो वजहों से दोषपूर्ण कहा जाएगा। एक तो इसमें वह वस्तुनिष्ठता या ऑब्जेक्टिविटी नहीं है जो इतिहास जैसे विषय के साथ बरतने की जरूरत होती है।

दूसरी और खास बात यह कि अगर किसी खास समूह के साथ जुड़ाव रखते हुए भी चीजों को देखा जाए तो अपनी गलतियों या कमजोरियों से बचने की या किसी उपाय से उन्हें छुपाने की जो घोषित-अघोषित इच्छा इसमें झलकती है, वह यूं भी किसी व्यक्ति या समाज को स्वस्थ नजरिया नहीं दे सकती। पाठ्यपुस्तकों में किसी भी तरह का फेरबदल करते हुए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि उसके पीछे नजरिया हमेशा स्वस्थ और वैज्ञानिक हो। यहां यह उल्लेख करना भी आवश्यक है कि हम जो इतिहास पढ़ते आए हैं, केवल भारतीय ही नहीं, पूरे विश्व का लिखा हुआ, एक झटके में उसे गलत घोषित कर देना मूर्खता ही कही जाएगी।

देश में जब से सत्ता परिवर्तन हुआ है, तभी से एक विशेष विचारधारा को थोपे जाने की कोशिशें चल रही हैं। माना कि इतिहास पूरी तरह से सच नहीं, परंतु हम जो दिखाने की कोशिश कर रहे हैं, क्या हमारे पास उसके प्रमाण हैं। बहुत बाद में लिखी पुस्तकों या बयानों के आधार पर हम किसी घटनाक्रम को मिथ्या साबित करने पर केवल इसलिए तुल जाएं, क्योंकि वो हमारे खिलाफ रहा, या हमारी कमजोरियां दिखाता है, तो यह ठीक नहीं होगा। हम कमजोरी छिपाने के बजाय यदि अपनी कमियां और कमजोरियां दूर करने पर जोर दें तो बेहतर होगा। क्या हम सदियों तक गुलाम रहे, इस इतिहास को खत्म कर देना उचित होगा? हम गुलाम क्यों रहे, इस पर गंभीरता से मनन करना चाहिए। उलटे हम सही तथ्यों को गलत साबित करने पर तुले हुए हैं। यही दृष्टिकोण इन दिनों अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सर्वेक्षणों के प्रति दिखाया जा रहा है। जबकि हमें अपने सर्वेक्षणों को सही करने पर अधिक जोर देना चाहिए। हमारे यहां कागजी सर्वे से लेकर कागजी उपलब्धियां हावी रहती हैं। हम बात विकास की करते हैं, उपलब्धियों की करते हैं, लेकिन राजनीति धर्म, संप्रदाय और जाति की करने लगे हैं।

कुल मिलाकर यदि हम वास्तव में देश को आगे ले जाना चाहते हैं तो सबसे पहले इतिहास को नकारने के बजाय अपनी कमजोरियों को स्वीकार करें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें। केवल मीडिया या सोशल मीडिया पर हम विश्व गुरू बनने का प्रयास करेंगे, तो कभी भी धड़ाम से गिर जाएंगे।

नमो भारत के बाद नमो सिंधिया एक्सप्रेस

राकेश अचल

सियासत की रेल कब पटरी बदल ले ,कोई नहीं जानता। भारत में दो दिन पहले' नमो भारत' रेल चली थी और कल ग्वालियर से दिल्ली के बीच ' नमो सिंधिया ' रेल चल पड़ी। नमो यानि नरेंद्र मोदी और सिंधियाओं को लेकर पिछले कुछ दिनों से अटकलों का बाजार गर्म था किन्तु शुक्रवार की शाम प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से सिंधिया खानदान का गुणगान किया उसे सुनने के बाद कम से कम भाजपाइयों ने तो मान लिया है कि हिचकोले खा रही' नमो-सिंधिया' रेल अब पूरी गति से दौड़ने वाली है। नरेंद्र मोदी के बदले रुख की वजह से सिंधिया और सामंतवाद के विरोधियों को निराशा हो सकती है।

प्रधानमंत्री 21 अक्टूबर को ग्वालियर के सिंधिया स्कूल के स्थापना समारोह के मुख्य अतिथि थे जहां उन्होंने सिंधिया परिवार से जो रिश्ता स्वीकार किया वो भी भाजपाइयों की आँखें खोल देने वाला है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर से उनका रोटी-बेटी का रिश्ता है । केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुजरात के दामाद हैं। उनके ससुर बड़ोदरा के गायकवाड़ों के द्वारा स्थापित स्कूल में वे खुद पढ़े हैं।

प्रधानमंत्री जी ने ग्वालियर के विकास में माधवराव सिंधिया [प्रथम] के योगदान की भूरि भूरि सराहना की। उन्होंने ग्वालियर के हरसी बाँध का जिक्र किया। सिंधिया स्कूल का हवाला दिया । और तो और उन्होंने कांग्रेस के जमाने के रेल मंत्री और ज्योतिरादित्य सिंधिया के पिता माधवराव सिंधिया की रेल मंत्री के रूप में जमकर तारीफ़ की। मोदी जी ने कहा कि माधवराव जी के समय में शताब्दी जैसी 87 रेलें शुरू हुईं थीं तब से 30 साल बीत गए एक भी रेल शुरू नहीं हुई। अब मोदी जो को कौन बताता कि भारत में सिंधिया के बाद कांग्रेस की ही सरकार ने 2008 में 54 गरीब रथ चलाये थे । तब माननीय लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे । उनके बाद की रेल मंत्री सुश्री ममता बनर्जी ने 2009 में 33 दूरंतो रेलें चलाईं थी।

प्रधानमंत्री जी ने सिंधिया स्कूल के बच्चों को 9 सूत्रीय टास्क देने से पहले अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाई । उन्होंने बच्चों को बताया कि वे पेंडेंसी निबटाने वाले प्रधानमंत्री है। उन्होंने 60 साल से पेंडिंग धारा 370 हटाने का काम पूरा किया । तीन तलाक रोकने के लिए कानून बनाया। नारी शक्ति वंदन क़ानून बनाया। देश में कांग्रेस के जमाने में 100 स्टार्टअप थे आज वे एक लाख हैं। उन्होंने ग्वालियर में बनने वाले नए हवाई अड्डे का भी जिक्र किया।

आपको बता दें कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की भाजपा ने ही 2019 में सिंधिया खानदान के चश्मों-चिराग ज्योतिरादित्य सिंधिया को लोकसभा का चुनाव हरवाकर उनकी मिटटी पलीत की थी। मोदी जी की वजह से राजस्थान में वसुंधरा राजे सिंधिया की मिटटी कुटी थी। मोदी जी की वजह से ही मध्यप्रदेश में यशोधरा राजे सिंधिया को विधानसभा चुनावों से भागना पड़ा था लेकिन ये सब भरम था भाजपा कार्यकर्ताओं का। देश में आरएसएस,जनसंघ और भाजपा को जितना सिंधिया परिवार ने पाला-पोसा और किसी राजघराने ने नहीं। मोदी जी ने वसुंधरा राजे को उनका सम्मान वापस लौटा दिया। ज्योतिरादित्य सिंधिया के पिता की मामी श्रीमती माया सिंह को ग्वालियर पूर्व से भाजपा का प्रत्याशी बना दिया हालांकि उनकी उम्र [74] सन्यास लेने की है। मुमकिन है कि मोदी जी आगामी लोकसभा चुनाव में यशोधरा राजे सिंधिया को गुना संसदीय सीट से टिकिट दे दें। ये भी मुमकिन है कि मोदीकाल में ही ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महाआर्यमन को भी सियासत में लांच कर दिया जाये। ध्यान रहे कि सिंधिया परिवार के साथ माननीय मोदी जी की पहली पारिवारिक तस्वीर मार्च 2022 में वायरल हुई थी।

सिंधिया खानदान के प्रति भाजपा की मोदी शाह जोड़ी के व्यवहार में भारी अंतर नोट किया गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जब जयविलास महल गए थे तब ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके बेटे महाआर्यमन सिंधिया शाह के सामने हाथ बांधे खड़े थे लेकिन मोदी जी ने उन्हें न केवल अपने साथ बैठाया बल्कि उन्हें गुजरात का यानि अपना दामाद बताकर सम्मानित भी किया।

यानि मोदी जी ने शाह की गलती को सुधारा। अब शाह को भी अपनी गलती का अहसास शायद हो जाये। मोदी जी के व्यवहार में आयी तब्दीली से जहां सिंधिया खानदान राहत महसूस कर रहा है वहीं भाजपा का स्थानीय कार्यकर्ता कसमसा रहा है । भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता और केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथी जय सिंह कुशवाह ने तो सिंधिया की मामी को ग्वालियर पूर्व विधानसभा से टिकिट देने के फौरन बाद भाजपा के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। संघ परिवार में भीतर तक पैठ रखने वाले ग्वालियर के सांसद विवेक नारायण शेजवलकर तक अपने बेटे को लश्कर पश्चिम से विधानसभा का टिकिट न मिलने से खिन्न हैं।

भाजपा का मौजूदा नेतृत्व कब सिंधिया का विरोधी हो जाता है और कब उनके गुणगान करने लगता है ,पता ही नहीं चलता। सिंधिया के साथ गलबहियां करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के भांजे अनूप मिश्रा को सिंधिया के करीबी होने का कोई फायदा नहीं मिला । वे विधानसभा चुनाव का टिकिट हासिल नहीं कर पाए जबकि उनकी ही तरह असंतुष्ट माने जाने वाले अजय विश्नोई और जयंत मलैया को टिकिट मिल गया । जाहिर है कि या तो सिंधिया अनूप के लिए अड़े नहीं या फिर उन्होंने अनूप के टिकिट को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं बनाया क्योंकि ज्योतिरादित्य को भाजपा नेतृत्व से टकराकर कुछ भी हासिल नहीं होने वाला है।

भाजपा और कांग्रेसी मान चुके हैं कि मोदी-शाह की जोड़ी ने सिंधिया खानदान के सभी खून माफ़ कर दिए हैं। उन्हें सिंधिया खानदान में विकास नजर आता है। भाजपा को 1857 के बाद के सिंधिया पसंद हैं इसलिए भाजपा उन्हीं का यशोगान करती है। बहरहाल सिंधिया खानदान के प्रति मोदी जी के रुख में आयी तब्दीली से एक बात साफ़ हो गयी है कि मोदी जी को और भाजपा को सामंतों और सामंतवाद से कोई परहेज नहीं है। परहेज है तो सिर्फ कांग्रेस से।

एमपी चुनाव, बनते बिगड़ते मुद्दे और हाव-भाव

सरयूसुत मिश्रा

चुनावी घोषणा पत्र में राम मंदिर निर्माण का संकल्प व्यक्त करने वालों को ही मंदिर निर्माण के श्रेय का हक बनता है. सनातन धर्म और आस्था के लिए श्रीराम जन्मभूमि मंदिर चुनावी वाद-विवाद का विषय नहीं हो सकता है. सनातन को डेंगू और मच्छर मानने वाली विचारधारा के सहयोगी और समर्थक चुनावी नजरिये से राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा में भागीदारी की मांग कर रहे हैं तो यह सनातन के लिए बड़ी उपलब्धि है. जब मंदिर बन गया है तब हर भारतवासी जिसकी सनातन में आस्था है उसे आत्म कल्याण के लिए इससे जुड़ना ही होगा.

भारत की राजनीति में अयोध्या आंदोलन ने ध्रुवीय परिवर्तन किया है. बीजेपी का विस्तार अयोध्या आंदोलन के साथ जुड़ा हुआ है. श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा भारतीय राजनीति में सनातन की प्राण-प्रतिष्ठा का परम अवसर बन गया है. इसके पहले भारतीय राजनीति तुष्टिकरण की बुनियाद पर चलती थी. श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के समय भी तुष्टिकरण के जांबाज नेता और प्रवक्ता अपने जनाधार के लिए सनातन सोच पर हमला कर रहे थे. यह हमला अभी भी जारी है.

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की तिथि 22 जनवरी निर्धारित हो गई है. इस उपलब्धि के लिए बीजेपी की लीडरशिप में संघर्ष देश के सभी राज्यों में किया गया था. बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद कांग्रेस की तत्कालीन नरसिम्हा राव सरकार द्वारा भाजपा शासित तीन राज्यों मध्यप्रदेश, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश की सरकारें बर्खास्त की गई थी. भाजपा की सरकारों को बर्खास्त कराने के एजेंडे का नेतृत्व मध्यप्रदेश के ही बड़े कांग्रेस नेता अर्जुन सिंह द्वारा किए जाने की चर्चा ज़ोरों पर थी. तब मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा थे.

अब जब मंदिर का निर्माण हो गया है, प्राण प्रतिष्ठा की तिथि आई है, तब एमपी में विधानसभा के चुनाव शुरू हो चुके हैं. इन चुनावों में राम मंदिर के मुद्दे का प्रवेश हो चुका है. शहरों में बीजेपी की ओर से पोस्टर लगाए गए हैं. इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के फोटो के साथ यह कहा गया है कि' भव्य राम मंदिर बनकर हो रहा है तैयार, फिर इस बार भाजपा सरकार'.

राम मंदिर के आंदोलन में बीजेपी एक बार अपनी सरकार गंवा चुकी है. अब जब प्राण प्रतिष्ठा का शुभ अवसर आया है तो निश्चित रूप से बीजेपी इसको भुनाने में कोई कमी नहीं छोड़ेगी. मध्यप्रदेश में पहले से ही चुनाव हिंदुत्व की पिच पर ही दिख रहा है. कांग्रेस तुष्टिकरण की अपनी पुरानी शैली को कायम रखते हुए सॉफ्ट हिंदुत्व का चोला ओढ़ने की कोशिश में है.

अतीत कभी पीछा नहीं छोड़ता. अयोध्या आंदोलन का अतीत कांग्रेस का कभी भी पीछा नहीं छोड़ेगा. राजनीतिक सहूलियत के लिए कोई भी नया चोला ओढ़ा जा सकता है लेकिन नए चोले से पुराने चोले की वरूमें एक दूसरे को पीछे धकेलने की कोशिशें लगातार चल रही हैं. कर्नाटक के बाद कांग्रेस हिंदुत्व को अपना चुनावी चेहरा बनाने की पूरी कोशिश में है. एमपी में तो कांग्रेस ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ सीरियल में हनुमान की भूमिका निभा चुके अभिनेता को चुनाव मैदान में उतार दिया है. इसके पीछे भी यही भावना काम कर रही है कि कांग्रेस हिंदुत्व की आस्था में किसी से कम नहीं है. हालाँकि, पार्टी में ही इस पर अंतर्विरोध है.

सिद्धांत और विचारधारा सुविधा के हिसाब से बदली नहीं जा सकती है. सोशल मीडिया के इस दौर में पॉलीटिकल अवेयरनेस का लेवल लगातार बढ़ता जा रहा है. इजराइल-हमास युद्ध में फिलिपींस का समर्थन और हमास की निंदा नहीं करने के कांग्रेस कार्यसमिति के प्रस्ताव पर भी तुष्टिकरण की जनचर्चा को रोका नहीं जा सका.

भारत में तो राजनीति ना मालूम किन-किन मुद्दों पर निर्णायक रूप ले लेती है. कभी प्याज के दाम सरकारें बदल देते हैं, कभी आतंकवाद और तुष्टिकरण राजनीतिक दलों को पतन के रास्ते पर धकेल देते हैं. कभी मुफ्तखोरी की योजनाएं जनादेश को प्रभावित कर देती हैं. कभी सिद्धांत और विचारधारा छोटे-छोटे हितों पर कुर्बान हो जाती हैं.

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तो भारत की आत्मा है. अब जब श्रीराम मंदिर बनकर तैयार हो गया है तो मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की खुशी सनातन और हिंदू प्रेमियों को अपनी राजनीतिक ताकत मजबूत करने की प्रेरणा दे सकती है. सोशल मीडिया में वायरल हो रहे वीडियो देखकर तो धर्म और आस्था पर विभाजन के वीभत्सकारी विचार कंपकंपी छुड़ाने लगते हैं. सनातन और हिंदू हमेशा सहिष्णुता की राजनीतिक भूमिका निभाता रहा है. कट्टरता उसका डीएनए नहीं है. सनातन के खिलाफ कट्टर विचार और एक्शन भी राष्ट्र की एकता को प्रभावित करने में सफल नहीं हो पाए हैं तो इसके पीछे सनातन सोच सबसे बड़ा कारण है.

यूपी में चुनाव के समय सपा और राष्ट्रीय लोकदल के साथ जब गठजोड़ हुआ था तब ऐसे राजनीतिक संकेत दिखाये जा रहे थे कि हिंदुत्व के खिलाफ संप्रदाय और जातीय ध्रुवीकरण भारी पड़ सकता है. चुनाव परिणामों ने उन संकेतों को गलत साबित किया था. बिहार की जातीय जनगणना को राहुल गांधी ने चुनावी राज्यों में बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने का प्रयास किया है. कांग्रेस ने जातिगत जनगणना कराने का वायदा किया है. जातिगत जनगणना के कांग्रेस के प्रयास को हिंदुत्व और सनातन को कमजोर करने का आरोप भाजपा ने लगाया है.

राममंदिर का निर्माण सनातन हृदय का सनातन भाव रहा है. जो सदियों बाद पूरा हो रहा है. जिन कारसेवकों ने अपने प्राण दिए हैं, वे नए जन्म में जहां भी होंगे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का शुभ अवसर उन्हें भी आनंद और शांति जरूर प्रदान करेगा।

जाति और सांप्रदायिक विभाजन को बढ़ाकर तुष्टिकरण की नीति पर चलते हुए जनादेश की कोशिशें राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ संकल्प से चुनावी मुद्दों को नए सिरे से निर्धारित कर सकते हैं. ध्रुवीकरण और तुष्टिकरण के समीकरण श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के पावन प्रकाश में बदल सकते हैं. चुनावी नतीजे अपनी जगह हैं लेकिन सनातन के लिए श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा सदियों तक भारत की संस्कृति और गौरव की पताका दुनिया में फहराती रहेगी. इस पर राजनीति होनी ही थी जो चालू हो गई है. चुनाव के लिए ही सही अगर हर व्यक्ति रामभक्त होने का प्रयास करता है तो यह सनातन के लिए शुभ संकेत है।

राजकोषीय सुदृढ़ीकरण की प्रक्रिया धीमी ?

-राकेश दुबे

मौजूदा संघर्ष और भूराजनीतिक तनाव का भारत पर सीधा असर सम्भावित है। कारण साफ़ है, भारत अपनी जरूरत के बड़े हिस्से के लिए आयतित तेल पर निर्भर है इसलिए आपूर्ति में कमी आर्थिक गतिविधियों पर असर डालेगी,इससे इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि इस वर्ष अब तक वैश्विक वृद्धि मजबूत रही है,लेकिन आने वाली तिमाहियों में हालात बदल सकते हैं। अगर बड़े केंद्रीय बैंकों खासकर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत कदमों की बदौलत वित्तीय हालात तंग हुए और पश्चिम एशिया में संघर्ष और बढ़ा तो आर्थिक परिदृश्य तेजी से बदल सकता है।

सबसे साफ़ दिखता जोखिम वैश्विक वृद्धि और कच्चे तेल की आपूर्ति से जुड़ा हुआ है। हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा हुआ है और आंशिक तौर पर इसकी वजह बड़े उत्पादकों द्वारा लगाए गए प्रतिबंध भी हैं, लेकिन आपूर्ति का इस प्रकार बाधित होना कच्चे तेल की उपलब्धता और उसकी कीमत दोनों को प्रभावित कर सकता है।

यूँ तो वित्त मंत्रालय में बैठे भारत के नीति निर्माता हालात पर सावधानीपूर्वक नजर रखे होंगे। एक

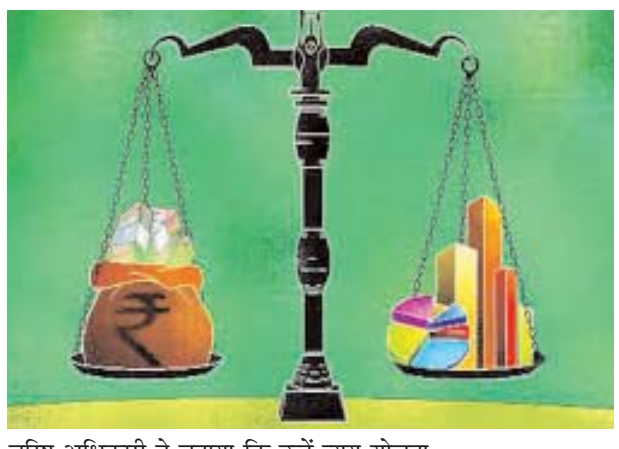

वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें व्यय योजना बनाने में समझदारी का परिचय देने की आवश्यकता है क्योंकि वैश्विक हालात बहुत अच्छे नहीं हैं। अब तक भारत सरकार को भरोसा है कि वह चालू वर्ष में राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 5.9 प्रतिशत के स्तर पर रखने का लक्ष्य हासिल कर लेगी।परंतु वर्ष की दूसरी छमाही के लिए बाजार उधारी योजना दिखाती है कि कुल उधारी बजट में उल्लिखित स्तर पर है। वित्त मंत्रालय की ताजा मासिक समीक्षा में कहा गया है कि अप्रैल से अगस्त 2023 तिमाही में प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 26.6 प्रतिशत बढ़ा। वस्तु एवं सेवा कर संग्रह में भी इस वर्ष अब तक 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

व्यय की बात करें तो पूंजीगत व्यय जो वृद्धि का अहम कारक रहा है, वह अप्रैल-अगस्त तिमाही में सालाना आधार पर 48 प्रतिशत अधिक रहा। हाल के वर्षों में सरकार द्वारा किए गए उच्च पूंजीगत व्यय ने भी सरकारी व्यय की गुणवत्ता सुधारने में मदद की है।शायद सरकार को यह यकीन होगा कि वह चालू वर्ष में बजट में उल्लिखित लक्ष्यों को हासिल कर लेगी लेकिन आसन्न झटके से निपटने की योजना बनाना आसान नहीं होगा। मोटे तौर पर ऐसा इसलिए कि प्रस्थान बिंदु अपेक्षाकृत कमजोर है।

यूँ तो सरकार ने राजकोषीय घाटे को कोविड के दौर के उच्चतम स्तर से कम करने में सफलता हासिल की है, लेकिन यह अभी भी अपेक्षाकृत ऊंचे स्तर पर है और बाहरी आर्थिक झटके को लेकर शायद समुचित प्रतिक्रिया न दे पाए। पूंजीगत व्यय पर ध्यान केंद्रित करने से निश्चित रूप से आर्थिक गति को बरकरार रखने में मदद मिली है लेकिन इससे राजकोषीय सुदृढ़ीकरण की प्रक्रिया भी धीमी हुई है।

बाहरी झटके सहन करने को लेकर प्रतिक्रिया देने की सरकार की क्षमता उपलब्ध नीतिगत गुंजाइश पर निर्भर करती है और राजकोषीय नीति के संदर्भ में देखें तो फिलहाल यह काफी सीमित है। अब जबकि सरकार बजट पूर्व चर्चाओं में संलग्न है, यह बात समझदारी भरी लगती है कि व्यय को सीमित करने की संभावनाओं पर काम किया जाए और मौजूदा तथा आने वाले वर्ष में नीतिगत गुंजाइश तैयार की जाए।

निश्चित तौर पर ऐसा करना आसान नहीं होगा क्योंकि बजट से कई तरह की मांग होंगी खासकर चुनावी वर्ष होने के नाते। बहरहाल, जैसे हालात हैं उनके मुताबिक तेज वृद्धि या जिंस कीमतों का झटका राजकोषीय घाटे में इजाफा कर सकता है तथा मध्यम अवधि के लक्ष्य हासिल करना मुश्किल कर सकता है। निरंतर उच्च राजकोषीय घाटा सरकार की गुंजाइश कम करेगा और मध्यम अवधि में वृद्धि संभावनाओं को प्रभावित करेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने पर सहायक उप निरीक्षक निलम्बित

सीहोर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण सिंह ने कृषि उपज मण्डी समिति रेहटी के सहायक उप निरीक्षक मनमोहन दुबे को निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने पर निलम्बित किया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण सिंह द्वारा 24 अक्टूबर को मालीबायां स्थित स्थैतिक निगरानी चैक पोस्ट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री दुबे द्वारा स्थैतिक निगरानी चैक पोस्ट पर अभिलेखों का विधिवत संधारण नही करने, वरिष्ठ अधिकारी के निर्देशों का पालन नही करने तथा निर्वाचन संबंधी कार्य में घोर लापरवाही बरतना पाया गया। श्री दुबे को कर्तव्य के प्रति उदासीन रहने, कार्य में लापरवाही बरतने, वरिष्ठ अधिकारी के निर्देशों का पालन नही करने तथा सिविल सेवा आचरण अधिनियम का उल्लंघन करने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलम्बन अवधि में इनका मुख्यालय जिला निर्वाचन कार्यालय सीहोर किया गया है।

स्कूली छात्र-छात्राओं ने रैली निकालक मतदान करने का दिया संदेश

छतरपुर,। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी.आर. के निर्देशन में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां जिलेभर में संचालित की जा रहीं है। स्वीप कार्यक्रमों के माध्यम से मतदाओं को मतदान करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसीक्रम में गुरूवार को छतरपुर शहर के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्र. 1 से विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा रैली निकालकर मतदान करने का संदेश दिया गया। स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा रैली में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न नारे लगाए गए। जैसे बनो देश के भाग्य विधाता अब जागो प्यारे मतदाता, सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो। इस तरह के नारों के माध्यम से लोकतंत्र में मिले अधिकार में मतदाताओं से 17 नवम्बर की तारीख का याद रखकर मतदान करने का संदेश किया गया। रैली शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरी।

गुरुवार को 13 अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन पत्र भरे

छतरपुर,। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम अनुसार जिले में विधानसभा निर्वाचन 2023 कराए जा रहे हैं। नामांकन की प्रक्रिया 21 अक्टूबर से प्रारंभ हो चुकी है। इसी क्रम में गुरुवार को 13 अभ्यर्थियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र भरे गए। विधानसभा क्षेत्र मलहरा भारतीय जनता पार्टी से कुंवर प्रद्युम्न सिंह लोधी, निर्दलीय धर्मेन्द्र कुमार साहू, विधानसभा क्षेत्र बिजावर भारतीय जनता पार्टी से राजेश कुमार शुक्ला, इंडियन नेशनल कांग्रेस से चरण सिंह यादव, समाजवादी आम जनता दल से रिषि राज सिंह, विधानसभा क्षेत्र छतरपुर बहुजन समाज पार्टी से डीलमणि सिंह उर्फ बब्बू राजा बुन्देला, विधानसभा क्षेत्र राजनगर इंडियन नेशनल कांग्रेस से विक्रम सिंह, समाजवादी पार्टी से बृजगोपाल पटेल, विधानसभा क्षेत्र चंदला समाजवादी पार्टी से अहिरवार पुष्पेन्द्र कुमार, बहुजन समाज पार्टी से डी.डी. अहिरवार, विधानसभा क्षेत्र महाराजपुर भारतीय जनता पार्टी से कामाख्या प्रताप सिंह, समाजवादी पार्टी से अजय तिवारी और भागीदारी पार्टी पी से राकेश प्रजापति ने नाम निर्देशन पत्र भरा है।

चौथे दिन 7 प्रत्याशियों ने भरा नाम निर्देशन पत्र अब तक 18 प्रत्याशियों ने भरे नाम निर्देशन पत्र

खरगोन। विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए नाम निर्देशन पत्र भरने के चौथे दिन आज 26 अक्टूबर को 07 प्रत्याशियों द्वारा अपने नाम निर्देशन पत्र रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए गए हैं। इस प्रकार जिले के 06 विधानसभा क्षेत्रों से अब तक कुल 18 प्रत्याशियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किए जा चुके हैं। 26 अक्टूबर को विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-181 भीकनगांव से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रत्याशी श्रीमती झुमा बाई सोलंकी व श्री ध्यानसिंह, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-182 बड़वाह से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के श्री नरेन्द्र पटेल, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-183 महेश्वर से निर्दलीय प्रत्याशी श्री रवि, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-184 कसरावद से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के श्री सचिन यादव एवं विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-186 भगवानपुरा से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के श्री केदार सिंह डावर व कमला बाई द्वारा अपना नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

नैनपुर महाविद्यालय युवा उत्सव में विजेता रहा

नैनपुर शासकीय स्नातक महाविद्यालय नैनपुर के प्राचार्य डॉ आई के यादव के संरक्षण में युवा उत्सव की संयोजक और प्रभारी डॉ ज्योति सिंह तथा सहसंयोजक श्री राहुल विश्वकर्मा ने युवा उत्सव में कॉलेज स्तर पर सांस्कृतिक और साहित्यिक गतिविधियां आयोजित की गई थी ।जिसमें प्रथम आने वाले विद्यार्थियों को जिला स्तर पर प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। जिला स्तर पर अक्टूबर माह मे प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें महविद्यालय समूह और एकल नृत्य पर प्रथम स्थान प्राप्त किया, अब शासकीय स्नातक महाविद्यालय नैनपुर की समूह नृत्य प्रथम स्थान जिसमे राहुल आर्मो, प्रेमीलाल कुमरे, मंगल सिंह धुर्वे, सौरभ यादव, रोशनी मरावी, हेमलता, संगीता परते और खुशी पटेल,प्रतिभागिता में रहे। एकल नृत्य में रूपा शिवांशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मूक अभिनय में द्वितीय स्थान रविंद्र यादव, ममता विश्वकर्मा, वर्षा मराठी, कीर्ति, मदन सिंह, वंदना नाग, पायल सोनवानी ने भाग लिया।बालचंद सिरसाम ने एकल गायन में द्वितीय स्थान प्राप्त किया, परिचर्चा में प्रवीण ठाकुर ने भाग लिया और तृतीय स्थान पर रहे, पायल चंद्रवंशी रंगोली में द्वितीय स्थान पर रहीं, प्रश्न मंच में यश बाजपेई ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान पर रहे प्रतिभागी टीम के साथ विश्वविद्यालय स्तर पर अपना प्रतिनिधित्व करेंगे।

मानस श्रृंखला बनाकर किया मतदान के लिए जागरूक

नैनपुर शासकीय स्नातक महाविद्यालय नैनपुर में छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई गई एवं मानव श्रृंखला बनाकर मतदान हेतु जागरूक किया गया।लोकतंत्र की नींव मताधिकार पर ही रखी जाती है। इस प्रणाली पर आधारित समाज व शासन की स्थापना के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक वयस्क नागरिक को बिना किसी भेदभाव के मत का अधिकार प्रदान किया जाय। मताधिकार सम्पादन। जिस देश में जितने ही अधिक नागरिकों को मताधिकार प्राप्त रहता है उस देश को उतना ही अधिक जनतांत्रिक समझा जाता है। मतदान जागरूकता कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिसमें आज आकृति बनाकर जागरूक किया गया। कार्यक्रम में डॉ ज्योति सिंह डॉ निगहत खान ,डॉ सीमा सिंह , डॉ संजीव सिंह, श्री मान सिंह मरावी कार्यक्रम संयोजक राहुल विश्वकर्मा एवं छात्र-छात्राएं रहे उपस्थित।

हमारी सरकार योजनाओं को हकीकत मे बदलती हः खत्री

बैरसिया। भाजपा प्रत्याशी विष्णु खत्री ने गुरुवार को अपना तूफानी जनसपंर्क शुरू कर दिया है। जनसंपर्क तरावली से शुरु किया गया। विष्णु खत्री में तरावली स्थित माँ हरसिद्धि के मंदिर में मत्था टेककर शुरू किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि, पीएम आवास योजना, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना सहित अनेक योजनाएं हमारी सरकार ने संचालित की है। इस क्षेत्र में नेशनल हाइवे स्वीकृत हो गया है। जिसका निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा हम पार्वती नदी से सिचाई के लिए जल लाने की योजना बनाएंगे। इसके लिए सर्वे शुरू हो चुका है। भविष्य हम समूह पेयजल योजना, रेल मार्ग और बैरसिया-भोपाल।फ़ॉर लेन मार्ग सहित अनेक।योजनाओं पर काम करेंगे

नामांकन रैली बनी यादगार,उमड़ा जनसैलाब

कमलनाथ चुनावी हिन्दु हैं, तुष्टिकरण ही कांग्रेस राजनीति का आधार : प्रहलाद सिंह पटेल

बरेली । आज गुरुवार को उदयपुरा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र शिवाजी ने शुभ मुहूर्त में नामांकन दाखिल किया। वरिष्ठ नेताओं और हजारों समर्थकों ने बरेली का माहौल भाजपामय कर दिया। कार्यकर्ताओं और नेताओं का जोश नगर की सडकों पर लगातार दिखाई देता रहा। लोग इसे भाजपा प्रत्याशी पटेल का प्रभावी शक्ति प्रदर्शन मान रहे हैं। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल एवं उप्र सरकार कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह की खास मौजूदगी ने अलग ही उत्साह भर दिया। इसके साथ ही भाजपा के वरिष्ठ नेता उ रामकिशन चौहान, जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा,आकांक्षी विधानसभा प्रभारी भगवत कुशवाह, विधानसभा प्रभारी सुरेन्द्र तिवारी, बरिष्ट नेता हरनाम सिंह राजपूत, सुरेश पाठक भी उत्साहवर्धन के लिए साथ रहे। भाजपा के चुनावी कार्यालय से बडी संख्या में पुरुष, महिलाएं और युवा भाजपा कार्यकर्ता भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र शिवाजी पटेल का घोडे–बाजे–गाजे के साथ चल रहा काफिला किलोमीटर में था। यह क्षेत्र में किसी भी प्रत्याशी का अब तक का सबसे बडा रोड शो माना जा रहा है। रोड शो की खास बात यह भी रही कि प्रत्येक कार्यकर्ता स्वयं को ही प्रत्याशी बता रहा था।

प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता नरेन्द्र शिवाजी पटेल

नामांकन दाखिले के बाद आमजन सभा के माध्यम से भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र शिवाजी पटेल ने जनता से कहा कि मैंने सदा जनता की सेवा की है और सदा करता ही रहूंगा आपके स्वाभिमान और सम्मान को कभी मैं ठेस नहीं पहुंचऊगा भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता भाजपा प्रत्याशी है नरेंद्र शिवाजी पटेल चुनाव नहीं लड़ रहा भारतीय जनता पार्टी चुनाव लड़ रही है उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई इमारत लिखेंगे आप सब के आशीर्वाद से 7

कमलनाथ स्पष्ट करें, वे राम को क्यो मानते हैं

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने भाजपा कार्यकर्ताओं और भारी जन समुदाय को संबोधित करते हुए भाजपा की सभी वर्गों के कल्याण और विकास की नीति पर प्रकाश डाला। और कहा कमलनाथ स्पष्ट करें कि वे राम को क्या मानते हैं। क्योंकि उनकी पार्टी कांग्रेस ने तो राम और रामसेतु दोनों के अस्तित्व को नकार चुकी है। समय बदला और देश के लाड़ले सपूत नरेंद्र मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने। जिसका परिणाम सबके सामने है कि अगली 22 जनवरी को राममंदिर के गर्भगृह में रामलला विराजमान होंगे। जब रामभक्तों के सीनों को गोलियां छलनी कर रही थीं, तब कमलनाथ कहां थे। उस समय उन्हें हिन्दुत्व और सनातन की रक्षा का विचार नहीं आया।

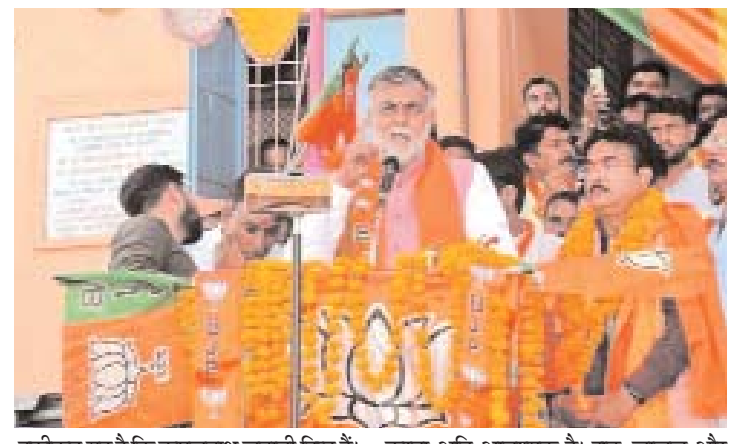

हकीकत यह है कि कमलनाथ चुनावी हिन्दू हैं। केंद्रीय मंत्री श्री पटेल ने कहा कि यह जनता के एक वोट की ताकत का सकारात्मक परिणाम है। श्री पटेल ने कहा कि वोट देने के पहले विचार, विकास और व्यक्ति पर चिंतन-मनन करना अति आवश्यक है। झूठ, लालच और भ्रम में आने के बजाए सत्य, निष्ठा और नीयत पर ध्यान केन्द्रित करना होगा। मंच का सफल संचालन जिला उपाध्यक्ष नेपाल सिंह राजपूत ने किया 7

हर घर से रिश्ता निभाया है, निभाते रहेंगः आलोक

छतरपुर। छतरपुर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी आलोक चतुर्वेदी पज्जन भैया ने कहा कि उन्होंने विगत पांच वर्षों के अपने कार्यकाल के दौरान छतरपुर के हर घर तक जाकर आम जनता से परिवार जैसा रिश्ता निभाया है। छतरपुर की जनता पेयजल से लेकर अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं, जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन, गरीब बेटियों के विवाह, युवाओं के लिए बड़े आयोजन करने का काम किया है। शासन से संघर्ष कर पांच वर्षों में क्षेत्र के विकास की लड़ाई भी लड़ी है। अब जनता को हमारी सेवाओं का मूल्यांकन करना है। विधायक ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि जनता हमारी सेवा नीति पर अपने विश्वास की मुहर लगाएगी।

विधायक आलोक चतुर्वेदी ने 26 अक्टूबर को शहर के कोतवाली से छत्रसाल चौक तक एवं ग्रामीण क्षेत्र में पठापुर, राजापुरवा, हतना, नारायणपुरा और टुरया में घर-घर जाकर जनसंपर्क किया। इस दौरान जनता ने अपने लाड़ले विधायक विधायक का पुष्पमालाएं पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर आलोक चतुर्वेदी ने जनता को भरोसा दिलाया कि वे भाजपा की तरह झूठे वादे नहीं करते बल्कि ठोस काम पर यकीन करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही वे छतरपुर विधानसभा के 10 हजार युवाओं को स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने का काम करेंगे।

भाजपा नेता रवि त्रिपाठी कांग्रेस में शामिल

गुरूवार को भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री एवं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह के करीबी कहे जाने वाले रवि त्रिपाठी ने कांग्रेस की सदस्यता ले ली। भारतीय जनता पार्टी के टिकिट वितरण से नाराज रवि त्रिपाठी के द्वारा पार्टी पर लुटेरे और बदमाशों को संरक्षण देने के आरोप लगाते हुए भाजपा को त्याग पत्र भेज दिया गया था। उन्होंने गुरूवार को अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ छतरपुर विधायक एवं प्रत्याशी आलोक चतुर्वेदी पज्जन भैया के निवास पर पहुंचकर कांग्रेस के समर्थन का ऐलान कर दिया। इस मौके पर विधायक आलोक चतुर्वेदी ने उन्हें कांग्रेस की पट्टी पहनाकर कांग्रेस में उनका स्वागत किया।

अमीन निलंबित

सिवनी- कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी क्षितिज सिंघल ने अनुभागीय अधिकारी कार्यालय बांध उपसंभाग-3, जल संसाधन विभाग छपारा में पदस्थ अमीन श्री उमेश शर्मा को सौजन्य स्थल पर राजनैतिक लोगों के साथ राजनैतिक चर्चा करने की शिकायत के प्रथम दृष्टया सहीं पाये जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। श्री शर्मा का मुख्यालय जिला निर्वाचन कार्यालय सिवनी नियत किया गया है।

जिले में लोह पुरुष की जयंती मनाएगा कुर्मी क्षत्रिय समाज

सिवनी- कुर्मी क्षत्रिय समाज के गौरव एवं भारत देश के पहले उप. प्रधानमंत्री, भारत रत्न सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती आगामी 31 अक्टूबर को है। सरदार पटेल को किसी जाति में बांधना उचित नहीं है परन्तु उनका जन्म कुर्मी परिवार में हुआ था यह हमारे लिए गौरव की बात है। उक्त उद्गार कुर्मी क्षत्रिय समाज के जिलाध्यक्ष गोपाल प्रसाद सनोडिया ने दिए। आगे श्री सनोडिया ने बताया कि सरदार पटेल की जयंती प्रतिवर्षानुसार इस साल भी 31 अक्टूबर को 11.00 बजे से कुर्मी समाज द्वारा भव्य रुप से मनाई जाएगीए इस हेतु कल दिनांक 25 अक्टूबर को कुर्मी समाज के पदाधिकारियों की आवश्यक बैठक समाज के मंगल भवन में सम्पन्न हुई। बैठक में सरदार पटेल की जयंती में प्रतिभा सम्मान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर भव्य रुप से मनाने का निर्णय हुआ, साथ ही विधानसभा चुनाव में समाज के व्यक्ति को दोनों ही राष्ट्रीय पार्टी की ओर से टिकट नहीं दी गई इस संबंध में भी चिंतन किया गया ।

कांग्रेस प्रत्याशी आनंद पंजवानी ने कचहरी पहुंच वकीलों से मांगा

सिवनी- सिवनी विधानसभा के युवा कांग्रेसी प्रत्याशी आनंद पंजवानी ने सिवनी कोर्ट परिसर जाकर सभी अधिवक्ताओं से मुलाकात कर कांग्रेस के पक्ष में समर्थन मांगा। अधिवक्ताओं ने आनंद पंजवानी से मांग की कि कोर्ट परिसर का स्थानांतरण अन्य स्थान पर न किया जाये, यह सिर्फ वकीलो का मुद्दा नही सिवनी के नागरिको का भी मुद्दा है। अभी तक अधिवक्ताओं को जनप्रतिनिधियों का सहयोगात्मक रवैया नही दिखा है हम आपसे अपेक्षा करते है कि कांग्रेस की सरकार और आपके विधायक बनने पर कोर्ट परिसर को अन्य स्थान नही ले जाया जायेंगा। आनंद पंजवानी ने जवाब देते हुऐ कहा कि मैंने भी लॉ की पढ़ाई पूर्ण कर ली है मैं इस मामले में पूरी तरह अधिवक्ताओं के साथ हूं मैं जानता हूँ मुझे जब पेशी में आना होता है पांच मिनट में मैं कोर्ट पंहुच जाता हूँ, इसी तरह शहर और ग्रामीण क्षेत्र के नागरिक जो बस के द्वारा कोर्ट आते है उन्हें कोर्ट पंहुचने में ज्यादा समय नही लगता, कुछ दिन पूर्व अधिवक्ताओं का प्रतिनिधि मंडल छिन्दवाडा और उडैपानी में कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से मुलाकात किया था उन्होंने ने भी सिवनी के अधिवक्ताओं को आश्वस्त किया था कोर्ट परिसर यथा स्थान पर रहेंगा। अधिवक्ताओं ने आनंद पंजवानी जी का आभार व्यक्त किया और चुनाव में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। अधिवक्ताओं से जनसंपर्क करते समय आनंद पंजवानी के साथ जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार खुराना, सेवकराम चन्द्रवंशी, जिला संगठनमंत्री एड. पंकज शर्मा, असलम खान, राजा बघेल, प्रसन्नचंद मालू, ब्रजेशसिंह लल्लू बघेल, रामायणसिंह सिसोदिया, सूर्यनारायणसिंह बघेल, श्रवण अग्रवाल, सोहेल पाशा, अतुलचंद मालू, विष्णु करोसिया, संजय बघेल, श्रीमति ललिता बघेल, श्रीमति सीता निखारे राजिक अकील, अनीस सिंह बघेल, सुधीर जैन, जितेन्द्र सनोडिया, विनोद यादव,, टिकेन्द्र सिंह देशमुख, विक्रम सिसोदिया, रामकिशोर बघेल, अधिवक्ताओं में राजेन्द्र सिसोदिया, दादू निखिलेन्द्रनाथ सिंह, योगेश ब्यौहार, शाहिद रजा, फिरोज कुरैशी, पंकज बाउसकर, राजगोस्वामी, अवि यादव, विशाल तिवारी, मिर्जा फेसल बेग, अभिषेक जैन उपस्थित रहें।

कांग्रेस पार्टी से राजकुमार पटेल ने 141 भोजपुर विधानसभा से भरा नाम निर्देशन पत्र

सुरेश केवट औबेदुल्लागंज संवाददाता. मध्यप्रदेश में रायसेन जिले की 141 भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल (पूर्व शिक्षा मंत्री) ने आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं हजारों समर्थकों के साथ भोजपुर विधानसभा के निर्वाचन कार्यालय तहसील गौहरगंज पहुंचकर अपना नामांकन पत्र आज दाखिल कर दिया है। वही कांग्रेस की एकजुटता में हजारों कार्यकर्ता रैली में शामिल हुए। कार्यकर्ताओ ने आचार संहिता के प्रोटोकॉल के चलते रायसेन जिले की 141 भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में निर्वाचन कार्यालय में उपस्थित होकर कांग्रेस पार्टी से अपना नामांकन दाखिल करने पंहुचे राजकुमार पटेल का महिला कार्यकर्ताओ ने विजय तिलक लगाकर फूल मालाओं एवं मिठाई खिलाकर किया अभिनंदन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर एवं कार्यकर्ता एकजुट दिखें।

चुनाव पर हुई चर्चाः दैनिक संध्या प्रकाश के संवाददाता से राजकुमार पटेल की चर्चा हुई

पहला प्रश्न – भोजपुर विधानसभा बीजेपी का गण है इस पर कांग्रेस की क्या रणनीति है? राजकुमार पटेल ने कहा कि जनता बदलाव चाहती है सरकार के खिलाफ जनता में आक्रोश है।

दूसरा प्रश्न –कोन से मुद्दों को लेकर कांग्रेस जनता बीच जाएगी जीत की क्या रणनीति है? इस पर पटेल ने कहा कि आम जनता महंगाई की मार से परेशान है, बिजली, पानी से किसान परेशान है, युवा रोजगार से परेशान है। इसको लेकर जनता में आक्रोश है। इस बार कार्यकर्ता संगठित है इस बार चुनाव जीतने और कांग्रेस को एकजुट होने का दिया संदेश। राजकुमार पटेल ने इस बार मध्यप्रदेश में सत्ता परिवर्तन का किया दावा।

तीसरा प्रश्न –जनहित के मुद्दों पर पूछे प्रश्न पर पटेल ने कहा कि जनहित के मुद्दों को इस चुनाव में रणनीति बनाकर कांग्रेस चुनाव में उतरेगी, जनता वर्तमान में बहुत त्रस्त है। इस बार चुनाव में रिकार्ड मतों से कांग्रेस जीत दर्ज कराएगी।

वैसे वरिष्ठ नेतृत्व ने बनाई दूरी। सुरेश पचोरी को इस बार टिकिट नही मिली कांग्रेस ने इस बार पचोरी के स्थान पर राजकुमार पटेल को भोजपुर विधानसभा से प्रत्याशी बनाया है।

क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में जनता से विकास कार्य पर चर्चा में पता चलता है कि स्कूलों की स्थिति ठीक नहीं है। पंचायतों के कार्यों में पारदर्शिता का अभाव है। सड़क-बिजली पानी जैसे समस्याओं से जनता जगह-जगह विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर है। कई ग्राम एवं कॉलोनियां अपने मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। जनता का मानना है कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने स्थानीय रोजगार को प्राथमिकता में नहीं लिया जिसका कारण यह है कि औद्योगिक क्षेत्र के बाद भी आदिवासी बहुल इलाके के युवा दूसरे राज्यों में कार्य करने पलायन को मजबूर है। जनता का मानना है कि विकास के मुद्दे को लेकर कोई जनप्रतिनिधि नहीं आता ऐसे कार्य को पहली प्राथमिकता दी जाती है जो सेंसेटिव हैं एवं कही ना कही से वोट को बढ़ाने वाले होते है। ऐसे में इस बार देखने वाली बात यह होगी की जनता किस आधार पर अपना आशीर्वाद जनप्रतिनिधी चयन हेतु देती है।

उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं सुरक्षित मावा एवं मावा लड्डू उपलब्ध करवाने हेतु

खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग द्वारा थोक मावा विक्रय दुकानों का किया गया औचक निरीक्षण

दमोह कलेक्टर मयंक अग्रवाल द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी, दमोह माधवी बुधौलिया ने निरीक्षण कार्यवाही करते हुए दमोह शहर में थोक खोवा विक्रय की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण की कार्यवाही घंटाघर एवं उमा मिस्त्री की तलैया क्षेत्र में की गई। घंटाघर के पास स्थित हनुमान गढ़ी स्वीट्स से मावा लड्डू एवं उमा मिस्त्री की तलैया स्थित नेमा मावा भंडार में विक्रय हेतु संग्रहित खोवा एवं खोवा लड्डू के नमूनें जांच हेतु लिए गए एवं मैजिक बॉक्स की सहायता से खोवा, मावा लड्डू की मौके पर गुणवत्ता की जांच की गई। उक्त खोवा एवं खोवा लड्डू के नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

खोवा की गुणवत्ता की जांच कैसे करें

खोवा में आरारोट, आटा, स्टार्च की मिलावट का पता करने के लिए खोवा की कुछ मात्रा लेकर उसमें पानी मिलाकर घोल तैयार कर लें। उक्त घोल में टिंक्चर आयोडीन की कुछ बूंद मिलाएं। उक्त घोल का रंग अगर बैंगनी काला रंग का हो जाए तो उसमें आरारोट की मिलावट की पुष्टि होती है। खोवा में डालडा या वनस्पति घी की मिलावट पता करने के लिए खोवा की कुछ मात्रा को पानी में घोलकर घोल बनाएं, उक्त घोल में सांद्र हाइड्रोक्लोरिक एसिड की कुछ बूंदे मिलाएं। कुछ देर बाद उसमें शक्कर के दाने मिलाने पर अगर उक्त घोल का रंग अगर लाल बैंगनी रंग हो जाता है तो उक्त खोवा में डालडा वनस्पति घी की मिलावट की पुष्टि होती है।

माँ कालिका का आशीर्वाद प्राप्त कर अपार जनसमूह के साथ रैली के रूप में नामांकन प्रस्तुत करने पहुंचे विधायक

रैली से पूर्व कहा - 'अबकी बार-छप्पन पार' का लक्ष्य पूरा करेंगे, मार्ग में जगह-जगह हुआ रैली का भव्य स्वागत

रतलाम । विधानसभा चुनाव के लिए रतलाम शहर से भाजपा प्रत्याशी एवं विधायक चेतन्य काश्यप ने गुरुवार को नामांकन प्रस्तुत किया। नए कलेक्टोरेट में नामांकन के लिए विशाल रैली से पूर्व श्री काश्यप ने श्री कालिका माता मंदिर पहुंचकर सपरिवार आशीर्वाद प्राप्त किया। नामांकन रैली का मार्ग में जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। रैली में श्री काश्यप के साथ सांसद गुमानसिंह डामोर, महापौर प्रहलाद पटेल, जिलाध्यक्ष राजेन्द्रसिंह लुनेरा, जिला प्रभारी प्रदीप पाण्डेय, जिला प्रवास प्रभारी गुजरात विधायक केयूर भाई रोकड़िया, जिला संयोजक बजरंग पुरोहित, विधानसभा संयोजक मनोहर पोरवाल, सह संयोजक प्रेम उपाध्याय, जिला महामंत्री प्रदीप उपाध्याय एवं निर्मल कटारिया, पूर्व जिलाध्सक्ष कन्हैयालाल मौर्य, पूर्व महापौर शैलेन्द्र डागा तथा निगम अध्यक्ष मनीषा शर्मा शामिल रहे।

श्री कालिका माता मंदिर में ट्रस्ट अध्यक्ष राजाराम मोतियानी के नेतृत्व में श्री काश्यप का स्वागत अभिनन्दन किया गया। श्री काश्यप ने परिसर स्थित श्री राम मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन वंदन भी किए। इसके बाद स्टेशन रोड़स्थित जैन मंदिर में भी दर्शन वंदन कर आशीर्वाद लिया। नामांकन रैली भाजपा प्रत्याशी एवं विधायक श्री काश्यप के चुनाव कार्यालय विसाजी मेंशन, स्टेशन रोड़ से आरंभ होकर दिलबहार चौराहा, टी.आई.टी. रोड़, महू रोड़ फव्वारा चौक होते हुए नए कलेक्टोरेट पहुंची। रैली से पूर्व श्रीमती नीता काश्यप एवं परिवार ने श्रीफल भेंट किया। रैली के दौरान मार्ग में जमकर आतिशबाजी और पुष्पवर्षा की गई। रैली के आगे बैण्ड-बाजे सुमधूर गान करते हुए चल रहे थे, जबकि भाजपा प्रत्याशी ने खुली जीप में सवार होकर सबका अभिवादन किया। उनके आगे भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ आमजन बड़ी संख्या में रैली में जोरदार नारेबाजी करते हुए निकले।

रैली का दिलबहार चौराहा, ऑटो स्टैंड पर वार्ड पार्षद रामू डाबी एवं समस्त व्यापारीगण, ओखली रेस्टोरेंट, जीवन लॉज के सामने रजनीश गोयल, पटेल किराना के पास उजाला ग्रुप एवं कान्हा उस्ताद मित्र मण्डल, उजाला पैलेस पर अश्विन जायसवाल, अशोक भवन, सत्यनारायण मंदिर के पास नरेंद्र सोलंकी, नीलम गेस्ट हाऊस, टी.आई.टी. रोड़ पर सिंधी समाज, अनिता पाहूजा द्वारा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, टी.आई.टी. रोड़ पर वार्ड पार्षद योगेश पापटवाल, डॉ. पाटनी वाली गली कॉर्नर, टी.आई.टी. रोड़ पर ओम अग्रवाल, पेट्रोल पंप के पास, पोहावाला के सामने राजेश माहेश्वरी, फव्वारा चौराहा पर इब्राहिम शेरानी, सुभाष मार्केट के बाहर बलवंत भाटी, समता सागर पार्किंग के बाहर मंसूर जमादार, इप्का गेस्ट हाऊस के बाहर वार्ड पार्षद परमानन्द योगी एवं एस.पी. कार्यालय के सामने लुनिया एण्ड संस परिवार सहित, धार्मिक, सामाजिक, व्यापारिक, सांस्कृतिक संगठनों, भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। कलेक्टोरेट में भाजपा प्रत्याशी श्री काश्यप ने रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष नामांकन प्रस्तुत किया। इस दौरान सांसद श्री डामोर, जिलाध्यक्ष श्री लुनेरा, प्रवास प्रभारी श्री रोकड़िया, महापौर श्री पटेल उपस्थित रहे।

मतदाताओं के आशीर्वाद से बनाएंगे नया रतलाम

भाजपा प्रत्याशी के रूप में विशाल रैली के साथ नामांकन प्रस्तुत करने जाने से पहले विधायक चेतन्य काश्यप ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा नेतृत्व को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि लगातार तीसरी बार पार्टी ने मुझ पर जो भरोसा किया है, उस पर खरा उतरेंगे। मतदाताओं के आशीर्वाद से रतलाम को नगर से महानगर बनाने का जो संकल्प हमने लिया है, उसे पूरा कर नया रतलाम बनाएंगे। उन्हें विश्वास है कि कार्यकर्ताओं ने इस बार छप्पन हज़ार से अधिक जीत का जो लक्ष्य रखा है, आमजन के आशीर्वाद से भाजपा उससे भी अधिक अंतर की जीत दर्ज कर नया इतिहास बनाएगी।

कोलगेट-पामोलिव भारत में ओरल केयर के मानक बढ़ाने में सबसे आगे; 'मीठा सच' (स्वीट टूथ) साझा किया

कोलगेट-पामोलिव भारत में ओरल केयर के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी है। उनका कोलगेट ब्राइट स्माइल्स, ब्राइट फ्यूचर्स0 कार्यक्रम देश में 171 मिलियन से ज़्यादा बच्चों को ओरल केयर की स्वस्थ आदतों का विकास करने के लिए प्रोत्साहित कर चुका है। इसी उद्देश्य के अनुरूप, कोलगेट अपने मिशन द्वारा अब रात में दाँत साफ करने की सेहतमंद आदत को बढ़ावा दे रहा है। भारत में हर 10 में से 9 लोगों को कैविटी है, जिससे ओरल केयर की दिनचर्या बनाए रखने की आपात ज़रूरत प्रदर्शित होती है। वैज्ञानिक प्रमाण प्रदर्शित करते हैं कि सुबह के अलावा रात में भी दाँतों को ब्रश करने से दाँत स्वस्थ बने रहते हैं। इस साधारण आदत की मदद से कैविटी होने की सम्भावना 50त्र से घट जाती है। कोलगेट-पामोलिव ने देश में ओरल स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए रात में ब्रश करने के महत्व का प्रसार करने का दायित्व संभाला है।कोलगेट-पामोलिव इंडिया की एमडी एवं सीईओ, प्रभा नरसिम्हन ने कहा, मार्केट लीडर के रूप में भारतीयों को ओरल केयर की स्वस्थ आदतों का विकास करने का प्रोत्साहन देना हमारा कर्तव्य भी है, और दायित्व भी। ओरल स्वास्थ्य की ओर हमारी प्रतिबद्धता जीवन के हर पहलुओं तक विस्तृत है। मैं रात में ब्रश करने के अत्यधिक महत्व पर बल देती हूँ। त्योहारों के मौसम में तो यह और भी ज़्यादा ज़रूरी हो जाता है। इस समय हम अपने प्रियजनों के साथ मिलकर जश्न मनाते हैं, तो इस बार चलिए मिलकर एक बेहतर ओरल स्वास्थ्य की ओर भी बढ़ें।

रात में मिठाईयाँ खाने के बाद ब्रश करने की आदत विकसित करके हम न केवल अपनी स्माइल की रक्षा कर सकते हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर सकते हैं कि त्योहारों का माहौल आनंदपूर्ण रहे और उसमें दाँतों की कोई समस्या न हो। हम सोने से पहले ब्रश करने के वैज्ञानिक महत्व पर बल देकर अपने देश में दाँतों के स्वास्थ्य के मानक बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभाना चाहते हैं।

फिल्म के बारे में÷इस फिल्म में सोने से पहले ब्रश न करने की आदत पर रोशनी डाली गई है। इस आदत के कारण दाँतों में कैविटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस फ़िल्म में विभिन्न पृष्ठभूमियों लोग दिखाए गए हैं, जो मज़ेदार ढंग से मिठाइयों से अपने दाँत 'ब्रश' कर रहे हैं। आख़िरी शॉट में एक महत्वपूर्ण संदेश दिया गया है, जो हर किसी को सक्क्व्हह्यद्भञश्ठ्ठद्दद्धह्ल की आदत अपनाने की प्रेरणा दे रहा है। यह फिल्म देश में 'दाँतों के स्वास्थ्य' में सुधार लाने के लिए रिलीज़ की गई है।

टेक महिन्द्रा की दूसरी तिमाही की आय 12,864 करोड़ रुपये रही

मुंबई, एजेंसी। डिजिटल परिवर्तन, परामर्श और बिजनेस रिइंजीनियरिंग सेवाओं में विशेषज्ञ कंपनी टेक महिन्द्रा ने 30 सितंबर, 2023 को समाप्त हुई तिमाही के लिए अंकेक्षित समेकित वित्तीय नतीजों की आज घोषणा की।

टेक महिन्द्रा के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ सीपी गुरनानी ने कहा, यह वर्ष चुनौतीपूर्ण मांग के वातावरण और लंबे समय तक वृहद अनिश्चितता से भरा रहा जिसके कारण बहुत सूझबूझ भरा दृष्टिकोण अपनाना पड़ा। हमने ग्राहकों के साथ मिलकर काम करने की रणनीति मजबूत की जिससे उन्हे परिचालनों को दुरुस्त और आधुनिक बनाने में मदद मिली क्योंकि इन्होंने अपने संसाधनों की प्राथमिकता नए सिरे से तय की।

टेक महिन्द्रा के मुख्य वित्तीय अधिकारी रोहित आनंद ने कहा, हमने कारोबार के गैर प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान कम करने के लिए कार्रवाई की है। इस कार्रवाई से आने वाले समय में हमें हमारा वित्तीय निष्पादन सुधारने में मदद मिलेगी और हम दीर्घकालीन टिकाऊ वृद्धि हासिल करने में समर्थ होंगे। निरंतर लाभांश भुगतान से हमारे शेयरधारकों के लिए मूल्य सृजन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को बल मिलता है।

टेक महिन्द्रा को अमेरिका की सबसे बड़ी वैश्विक ई कॉमर्स कंपनियों में से एक कंपनी द्वारा एपीएसी और यूरोप में उनके ग्राहकों का अनुभव आधुनिक करने के लिए चुना गया। टेक महिन्द्रा का चयन यूरोपीय संघ की एक अग्रणी फिनटेक कंपनी द्वारा बैंकिंग क्लाइंट्स डिजिटल परिवर्तन यात्रा में तेजी लाने के लिए किया गया। टेक महिन्द्रा की वैश्विक उपस्थिति और उत्पाद क्रियान्वयन, डिजिटलीकरण, ढांचागत और परिचालन में विशेषज्ञता से बैंकों को डिजिटल रूप से अपनी कारोबारी प्रक्रियाओं का पुनरुद्धार करने के साथ ही कुल लागत घटाने में मदद मिलेगी। टेक महिन्द्रा का चयन विश्व की सबसे बड़ी कंज्यूमर हेल्थकेयर कंपनियों में से एक कंपनी द्वारा अपने वैश्विक आईटी परिचालन और परिवर्तन साझीदार बनाने के लिए किया गया। टेक महिन्द्रा का चयन अमेरिका स्थित एक बड़ी दूरसंचार आपरेटर द्वारा अपने ऑफशोर परिचालन के लिए पसंदीदा साझीदार के तौर पर किया गया। इस सौदे में एकाउंट सर्विस और फाइबर कॉपर टेक्निकल सपोर्ट ऑपरेशंस के लिए इनबाउंड और आउटबाउंड गतिविधियों सहित कई सेवाएं शामिल हैं। टेक महिन्द्रा का चयन एक यूरोपीय संघ स्थित दूरसंचार आपरेटर के लिए ओएसएस स्टैक का परिवर्तन करने के लिए साझीदार के तौर पर किया गया। इस सॉल्यूशंस में आईक्यूजियो से टीएनआई और जीआईएस सॉल्यूशंस समेत सर्विस नाऊ स्टेबल से उत्पादों की संपूर्ण रेंज शामिल है।

स्विगी-जोमैटो और रेस्तरां मिलकर दोगुने भाव पर दे रहे खाना, तीनों पार्टियां मिलकर कर रहीं ठगी!

नई दिल्ली, एजेंसी। फूड डिलीवरी एप स्विगी और जोमैटो रेस्तरां के साथ मिलकर गिरोहबाजी चला रहे हैं। यह सभी एक रणनीति के तहत ग्राहकों को खाना दोगुने भाव पर दे रहे हैं। साथ ही, दोनों एप खाने की कीमत के बाद रेस्तरां से कमीशन भी लेते हैं। हालांकि, स्विगी और जोमैटो के सूत्रों का दावा है कि खाने की कीमत रेस्तरां ही तय करते हैं।इसमे हमारा कोई दखल नहीं है। हमारा एक मामूली शुल्क होता है और उसके बाद जो भी सरकार का टैक्स होता है, वह रहता है। इस बारे में जब कई रेस्तरां के मेन्यू कार्ड देखे गए तो पता चला कि रेस्तरां से सीधे खाना लेने पर अगर उसकी कीमत 100 रुपये है तो यही खाना स्विगी और जोमैटो पर 209 रुपये या इससे भी अधिक भाव पर मिलता है। कुछ मामलों में यह भी देखा गया है कि अगर कोई उत्पाद स्विगी या जोमैटो एप पर तो दिखता है, लेकिन वही आइटम आप अगर रेस्तरां से लेने जाएं तो वहां उसे देने से मना कर दिया जाता है। रेस्तरां मालिक कहता है कि आप सीधे स्विगी या जोमैटो से बुक कर लीजिए। इसका मतलब कि यह तीनों पार्टियां एक गठजोड़ बनाकर ग्राहकों से ठग रही हैं। रेस्तरां की तुलना में दोगुना भाव लेने के बाद भी स्विगी और जोमैटो ग्राहकों से डिलीवरी का शुल्क लेते हैं जो रेस्तरां नहीं लेता है। उदाहरण के तौर पर अंगीठी रेगुलर थाली की रेस्तरां की कीमत 179 रुपये है लेकिन जोमैटो और स्विगी पर यही थाली 259 रुपये में है। एसएमएस फूड रेस्तरां में दाल मखनी और बटर नॉन 160 रुपये में है जबकि एप पर केवल दाल मखनी की ही कीमत 252 रुपये है।

केन्द्रीय मंत्री जीतेन्द्र सिंह ने विद्याधर नगर के कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

जयपुर। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने विद्याधर विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया और बैठक में उन्होंने आगामी चुनाव के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने दिया कुमारी के कार्य की तारीफ करते हुए कहा कि संगठन में और सांसद रहते हुए दिया कुमारी ने बहुत मेहनत की है, जिसके फलस्वरूप उनको विद्याधर नगर से चुनाव लड़ने के लिए पार्टी ने चुना है।

इस दौरान दिया कुमारी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं के परिश्रम का परिणाम है कि भाजपा इतनी मजबूत स्थिति में है। उन्होंने कहा कि हम सब एक परिवार का हिस्सा हैं और ÷कमल का फूल ÷ ही हमारी पहचान है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने मुझे जहाँ-जहाँ भी भेजा है, मुझे हमेशा कार्यकर्ता बंधुओं का आशीर्वाद मिला है और मुझे उम्मीद है कि विद्याधर नगर से भी हमारी प्रचंड जीत होगी।

इस बैठक में राज्यसभा सांसद एवं पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री अनिल जी जैन, सांसद जयपुर शहर श्री रामचरण जी बोहरा, जिला अध्यक्ष जयपुर शहर श्री राघव जी शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता श्री मुकेश जी पारीक, जिला महामंत्री श्री कृष्णमोहन जी, जिला उपाध्यक्ष श्री चन्द्रप्रकाश जी सैनी, विधानसभा प्रभारी श्री राजेन्द्र जी, विधानसभा विस्तारक श्री शुभम जी, जिला मंत्री सुनीता जी अग्रवाल, मण्डल अध्यक्ष श्री ताराचंद जी शर्मा, मण्डल अध्यक्ष श्री विजय जी शर्मा, मण्डल अध्यक्ष श्री भंवर सिंह जी, मण्डल अध्यक्ष श्री मोहनलाल जी, मण्डल अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सिंह जी, मण्डल पदाधिकारी, वार्ड पार्षद एवं प्रत्याशी,वार्ड अध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष एवं सभी कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

इसके पूर्व दिया कुमारी ने विद्याधर नगर के वार्ड 1 में वीर तेजाजी महाराज का आशीर्वाद लेकर जनसंपर्क कार्यक्रम की शुरुआत की। जनसम्पर्क के दौरान वार्ड की महिलाओं द्वारा लोक गीत भी गाए गए और बुजुर्ग महिलाओं ने दिया कुमारी को आशीर्वाद भी दिया।

कांग्रेस की चुनावी योजनाएं और घोषणाएँ कागज़ी

प्रियंका गाँधी के राजस्थान दौरे पर दिया कुमारी ने ट्वीट करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस सरकार कागज़ी योजनाओं और चीनी मोबाइल बाँटने के बजाय अगर महिलाओं को सुरक्षा देने और अत्याचारों पर अंकुश लगाया होता तो आज खोखले वादे करने की ज़रूरत नहीं पड़ती । मगर राजस्थान अब इन चुनावी झांसों में नहीं आने वाला।

पेपर लीक माफिया को कांग्रेस सरकार का सहारा: दिया कुमारी

जयपुर। दिया कुमारी ने अपने प्रचार की शुरुआत विद्याधर नगर के मंगलेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित राम नाम सत्संग और हनुमान चालीसा से की और प्रभु श्री राम से सभी के मंगलमय जीवन की कामना की।इसके पश्चात दिया कुमारी ने विद्याधर विधानसभा क्षेत्र के मुरलीपुरा मंडल के वार्ड 7 में जनसम्पर्क किया । इस दौरान मिले अपार समर्थन के लिए उन्होंने जनता का धन्यवाद किया और इसी ऊर्जा के साथ समर्थन बनाये रखने की अपील की।

इस दौरान मिडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि पेपर लीक माफिया को कांग्रेस का समर्थन मिल रहा है। इनके द्वारा जो पिछले 6 महीनों में योजनाएं चालू की गयी हैं, सभी साढ़े चार साल में हुए भ्रष्टाचार और नाकामियों को छुपाने के लिए चलाई गयी हैं। इतनी बार पेपर लीक तो तभी हो सकता है, जब पूरा तंत्र इसमें लिप्त हों। विधानसभा के अगले पड़ावों में दिया कुमारी ने वार्ड 5 में हिस्सा लिया और जनता का आशीर्वाद प्राप्त किया। वार्ड 12 में आयोजित मातृ शक्ति सम्मलेन में हिस्सा लेकर दिया कुमारी ने कहा कि एक तरफ मोदी जी ने ÷नारी शक्ति वंदन ÷ कानून बनाया है, तो वहीं प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने प्रदेश में कानून व्यवस्था की धज्जियाँ उड़ा दी हैं। जनसम्पर्क के आखिरी पड़ावों में दिया कुमारी ने 16 वार्ड और वार्ड 22 में भजन संध्या में शिरकत की और जनता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

जैसे महंगे कर्ज का बोझग्राहकों पर डाला, जमा पर भी ब्याज बढ़ाएं बैंक, आरबीआई ने बैंकों से की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) चाहता है कि जमाकर्ताओं को बैंकों में जमा उनके पैसे पर ज्यादा ब्याज मिले। निजी और सरकारी क्षेत्र के बड़े बैंक ग्राहकों को अब भी 2.70 फीसदी से लेकर चार फीसदी तक ही ब्याज दे रहे हैं। बैंकों के कुल जमा में बचत खाते की हिस्सेदारी करीब एक तिहाई है, फिर भी बैंक ग्राहकों को बचत खाते पर बहुत कम ही ब्याज दे रहे हैं।आरबीआई ने पिछले वित्त वर्ष में नीतिगत दर को 2.50 फीसदी बढ़ाकर 6.50 फीसदी कर दिया है। ऐसे में केंद्रीय बैंक चाहता है कि जिस तरह कर्ज पर बैंकों ने तुरंत ब्याज बढ़ाकर ग्राहकों पर बोझ डाल दिया, उसी तर्ज पर जमा पर भी ब्याज दरें बढ़ाई जाएं। आरबीआई अपनी बैठकों में बैंकों को बचत जमा दरें बढ़ाने के लिए प्रेरित करता रहा है। साथ ही इसे फिर से बढ़ाने की जरूरत पड़ सकती है।आरबीआई ने अपनी हालिया मौद्रिक नीति रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा सख्त चक्र में सावधि जमा पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी उधार दरों से अधिक हो गई है। हालांकि, बैंकों के बचत खाते पर दरें लगभग अपरिवर्तित बनी हुई हैं।निजी क्षेत्र के बैंक के एक अधिकारी ने कहा कि बचत खाता बनाए रखने की बैंकों की परिचालन लागत और तकनीकी लागत काफी अधिक है। यहां तक कि ब्याज दर में 20 से 25 बीपीएस की वृद्धि भी बैंकों के पूरे बही-खाते को प्रभावित करेगी। इससे बैंकों के

मार्जिन पर भी असर पड़ सकता है।

कर्ज पर ब्याज दरें बढ़ने से बैंकों की लागत में वृद्धि कम हो गई है। इससे इनके मार्जिन में उछाल दिख रहा है। यस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और इंडसइंड बैंक ने हाल ही में कहा है कि उनकी बचत जमा दरें बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। आंकड़ों के मुताबिक, छोटे बैंक बचत खाते पर ज्यादा ब्याज दे रहे हैं। कुछ बैंक 7 फीसदी तक ब्याज दे रहे हैं।आरबीआई ने निजी और विदेशी बैंकों की पूर्ण सब्सिडियरी कंपनियों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके पास दो पूर्णकालिक निदेशक हों। इसमें प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) भी शामिल हो सकते हैं।जिन बैंकों में अभी दो पूर्णकालिक निदेशक नहीं हैं, उन्हें चार महीने के भीतर इसे पूरा करना होगा।

देश के 5जी नेटवर्क में जियो की 85 प्रतिशत हिस्सेदारी, आकाश बोले- तय समय से पहले पूरा किया रोलआउट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में 5जी नेटवर्क में 85 फीसदी हिस्सेदारी जियो की है। रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि उनकी कंपनी हर 10 सेकंड में एक 5जी सेल तैनात करने की क्षमता रखती है। जियो ने दिसंबर की तय समय सीमा से पहले देश में 5जी नेटवर्क का विस्तार कर दिया है। आकाश अंबानी ने कहा, मुझे 'ट्रू 5जी रोल-आउट' की हमारी गति पर काफी गर्व है। आज हमने दिसंबर 2023 की अपनी तय समय सीमा से पहले पूरे देश में मजबूत ट्रू 5जी नेटवर्क का विस्तार किया है। दूरसंचार विभाग के अनुसार, देश भर में 5जी के लिए 3.38 लाख से अधिक बेस स्टेशन तैनात किए गए हैं। ऊकला की ओर से जियो को कुल नौ पुरस्कार विभिन्न श्रेणियों में मिले हैं।

सेबी ने यस बैंक के पूर्व सीईओ राणा कपूर के बैंक खातों के साथ-साथ शेयर और म्यूचुअल फंड खाते पर लगी रोक हटाने का आदेश दे दिया है। सेबी ने कपूर को यस बैंक के अतिरिक्त टियर-1 (एटी1) बॉन्ड को गलत तरीके से बेचने के

मामले में ब्याज और वसूली लागत समेत कुल 2.22 करोड़ रुपये का नोटिस भेजा था।

एक्सिस बैंक को सितंबर तिमाही में 5,864 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। एक साल पहले की समान तिमाही के 5,330 करोड़ की तुलना में यह 10 फीसदी अधिक है। बैंक ने बुधवार को वित्तीय परिणाम जारी करने के बाद बताया कि उसकी कुल आय 31,660 करोड़ रुपये रही है। शुद्ध ब्याज आय 19 फीसदी बढ़कर 12,315 करोड़ रुपये रही है।

भारत ने आयातित कोयले का उपयोग करने वाले बिजली संयंत्रों के संचालन को आठ महीने के लिए जून तक बढ़ा दिया है। इसका कारण बिजली की ज्यादा खपत और खराब आपूर्ति से ईंधन का भंडार कम हो गया है। सरकारी आदेश में कहा गया है कि लगभग 17 गीगावाट क्षमता वाले ऐसे संयंत्रों को संचालन करना होगा।

कैबिनेट ने भारत-जापान सेमीकंडक्टर समझौते को दी मंजूरी, मजबूत होगा सहयोग

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कैबिनेट ने भारत और जापान के बीच सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी के बारे में हुए सहयोग समझौते (एमओसी) को मंजूरी दे दी। यह समझौता जुलाई में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्रालय के बीच हुआ था।

इस एमओसी का उद्देश्य उद्योगों और डिजिटल प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए सेमीकंडक्टर के महत्व की पहचान करना और इसकी आपूर्ति श्रृंखला बेहतर बनाने के लिए दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। कैबिनेट बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान में इसकी जानकारी दी गई। अमेरिका के बाद जापान क्वाड का दूसरा देश है जिसने सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने के लिए भारत के साथ इस तरह का समझौता किया है। यह एमओसी दोनों पक्षों के हस्ताक्षर की तारीख से प्रभावी होगा और पांच साल की अवधि तक लागू रहेगा। दोनों देशों के बीच लचीली सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला को आगे बढ़ाने और पूरक लाभ उठाने के अवसरों पर जी2जी और बी2बी दोनों तरह के द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाए जाएंगे। एमओसी से आईटी के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा।

भारत सरकार देश में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए अनुकूल माहौल बनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। देश में मजबूत और टिकाऊ सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले इकोसिस्टम के विकास के लिए कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इसका उद्देश्य सेमीकंडक्टर विनिर्माण और सेमीकंडक्टर असेंबली, परीक्षण, मार्किंग एंड पैकेजिंग (एटीएमपी) और आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओएसएटी) सुविधाओं के लिए फैब्स की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाना है। इसके अलावा, देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण इकोसिस्टम के विकास के लिए भारत की रणनीतियों को संचालित करने के लिए डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन (डीआईसी) के तहत इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) की स्थापना की गई है।

अक्तूबर 2018 में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग के मौजूदा क्षेत्रों के साथ-साथ डिजिटल आईसीटी प्रौद्योगिकियों पर अधिक ध्यान केंद्रित हुए नई पहल के तहत भारत-जापान डिजिटल साझेदारी (आईजेडीपी) की शुरुआत की गई थी। आईजेडीपी और भारत-जापान औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता साझेदारी (आईजेआईसीपी) पर आधारित जापान-भारत सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी पर यह समझौता इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम के क्षेत्र में सहयोग को और मजूबत और व्यापक बनाएगा।

फ्लिपकार्ट पर आर्डर किया एक लाख रुपये का सोनी टीवी; घर पहुंची थॉमसन का टेलीविजन

नई दिल्ली, एजेंसी। एक ग्राहक का उत्साह उस समय सदमे और तनाव में बदल गया जब उसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट से ऑर्डर किए गए सामान से अलग कुछ और ही आइटम मिला। सोशल मीडिया पर आर्यन नाम के ग्राहक ने अपना कड़वा अनुभव साझा किया है।

एक्स पर आर्यन ने खुलासा किया कि उसने 7 अक्टूबर को फ्लिपकार्ट से सोनी टीवी ऑर्डर किया था। हालांकि, उन्हें आश्चर्य हुआ कि उन्हें बॉक्स के अंदर थॉमसन का टेलीविजन सेट मिला और उस पर सोनी लिखा था। उन्होंने कहा, मैंने 7 अक्टूबर को फ्लिपकार्ट से सोनी टीवी खरीदा था, इसकी डिलीवरी 10 अक्टूबर को हुई और सोनी से इंस्टॉलेशन वाला बंदा 11 अक्टूबर को आया। उन्होंने खुद टीवी को अनबॉक्स किया और हम सोनी बॉक्स के अंदर थॉमसन टीवी देखकर चौंक गए और वह भी स्टैंड, रिमोट आदि जैसी एक्सेसरीज बिना। उस व्यक्ति ने आगे खुलासा किया कि फ्लिपकार्ट के साथ इस मुद्दे को उठाने में उसे कितनी परेशानी से गुजरना पड़ा। उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने फ्लिपकार्ट के साथ इस मुद्दे को तुरंत उठाया, लेकिन दो सप्ताह बाद भी उनके वापसी अनुरोध का समाधान नहीं किया गया। आर्यन ने कहा, शुरुआत में, उन्होंने मुझे 24 अक्टूबर की तारीख दी, लेकिन 20 तारीख को इसे रिजाल्व बताया और फिर तारीख को समाधान की तारीख 1 नवंबर तक बढ़ा दिया गया। उन्होंने कहा कि वह फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज़ सेल का इंतजार कर रहे थे ताकि वह आईसीसी विश्व कप 2023 देख सकें, लेकिन फ्लिपकार्ट के कुप्रबंधन और सेवा ने उन्हें असहनीय तनाव में डाल दिया है। इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए फ्लिपकार्ट ने माफी मांगते हुए कहा, रिटर्न रिक्वेस्ट के साथ आपके अनुभव के लिए हम तहेदिल से माफी मांगते हैं।

रामायण फेम अरुण गोविल फिल्म नोटिस की शूटिंग के दौरान हुए चोटिल, जीप ने मारी टक्कर

फिल्म %नोटिस% का आखिरी शेड्यूल पिछले हफ्ते मुंबई में संपन्न हुआ, जब अरुण गोविल को शूटिंग करते हुए देखा गया। एपीएस एंटरटेनमेंट की आगामी फिल्म %नोटिस%, जो भारतीय टेलीविजन के दो प्रिय आइकन अरुण गोविल और दीपिका चिकलिया को एक साथ लाती है, जो कालजयी महाकाव्य रामायण में अपने प्रतिष्ठित प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध हैं, लाखों लोगों के दिलों को छूने का वादा करती है।

फिल्मांकन के अंतिम दिन, ÷नोटिस÷ के सह-कलाकार और निर्माता, आदित्य प्रताप रघुवंशी ने घटना की एक मार्मिक कहानी साझा की।

आदित्य रघुवंशी ने बताया कि यह घटना चित्रकूट सेट पर हुई एक सीन में अरुण, जो नारायण गुप्ता का किरदार निभा रहे हैं, को पुलिस जीप के ड्राइवर, अधिकारी द्वारा हिरासत में लिया जाने वाला है, जबकि रिवर्स लेते समय अरुण की कोहनी पर जोरदार चोट लगी, क्योंकि वह जीप के पास खड़े थे. जब एक्टर की कोहनी में चोट लगी तो पूरा क्रू घबरा गया. हालांकि, अरुण ने निर्देशक और टीम से चोटों के बावजूद शूटिंग जारी रखने के लिए कहा.

उन्होंने फिल्मांकन प्रक्रिया के दौरान अरुण गोविल के उत्साहवर्धक और विनम्र दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला। उनके दयालु और मिलनसार व्यक्तित्व ने पूरी कास्ट और क्रू पर अविस्मरणीय छाप छोड़ी है।

यह घटना न केवल अरुण गोविल की अपनी कला के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, बल्कि उनके सराहनीय चरित्र का उदाहरण भी देती है, जो स्क्रीन से परे तक फैला हुआ है। अरुण गोविल लंबे समय से मनोरंजन उद्योग में एक सम्मानित व्यक्ति रहे हैं और यह घटना उनकी प्रतिष्ठा को बढ़ाने का काम करती है।

÷नोटिस÷ एक मनोरम और यादगार सिनेमाई अनुभव होने का वादा करता है, जिसे इसके कलाकारों, विशेषकर अरुण गोविल के समर्पण और व्यावसायिकता ने और भी खास बना दिया है। इस फिल्म का प्रशंसकों और सिनेमा प्रेमियों को बेसब्री से इंतजार है।फिल्म प्रदीप गुप्ता द्वारा निर्देशित है और सामाजिक आलोचना के तत्वों के साथ एक नाटक है जिसका उद्देश्य एक शक्तिशाली संदेश देते हुए दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ना है। नवागंतुक सुनील सिंह कुशवाह ने भी फिल्म में शानदार प्रदर्शन किया है। फिल्म %नोटिस% 2024 की शुरुआत में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

खाद पर जारी रहेगी सब्सिडी, पुराने रेट पर मिलेगा यूरिया

नई दिल्ली, एजेंसी। किसानों के लिए अच्छी खबर है। सरकार ने रबी सीजन के लिए फर्टिलाइजर सब्सिडी को मंजूरी दे दी है। इससे देश के 12 करोड़ किसानों को फायदा होगा। इससे सरकारी खजाने पर 22,303 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंदीय कैबिनेट और सीसीईए की बैठक में इससे जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती हुई फर्टिलाइजर की कीमतों का प्रभाव भारतीय किसानों पर नहीं पड़ेगा।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बैठक के बाद कहा कि एनबीएस पॉलिसी के तहत फिक्स किए गए रेट रबी के सीजन के लिए एक अक्टूबर से 31 मार्च 2024 तक रहेंगे। आगामी रबी सीजन के लिए नाइट्रोजर पर प्रति किलो 47.2 रुपये, फॉस्फोरस पर 20.82 रुपये, पोटाश पर 2.38 रुपये और सल्फर पर 1.89 रुपये प्रति किलो सब्सिडी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार 2021 से ही सब्सिडी की दरें इस प्रकार निर्धारित कर रही है कि अंततराष्ट्रीय स्तर पर कीमतें बढ़ने से भारतीय किसानों को कोई असर न हो। ठाकुर ने साथ ही कहा कि रबी सीजन के लिए डीएपी पर 45 रुपये प्रति टन की अतिरिक्त सब्सिडी दी जाएगी। इससे किसानों के डीएपी 1350 रुपये प्रति बैग के पुराने रेट पर ही मिलेगी। इसी प्रकार किसानों को एनपीके 1470 रुपये प्रति बैग और एसएसपी 500 रुपये प्रति बैग पर उपलब्ध होगा। इनमें कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। किसानों को एक रुपया भी नहीं देना पड़ेगा।

दो माह से नगर परिषद हर्रई में नहीं मिला वेतन

हर्रई। नगर परिषद इन दिनों आर्थिक संकट से गुजर रहा है, सभी कर्मचारी चुनाव में लग गये है, इससे वसूली प्रभावित हो रही है। राज्य शासन द्वारा एलाटमेन्ट भी नहीं भेजा जा रहा है। बताया जाता है कि नगर परिषद में 80 कर्मचारी कार्यरत हैं, उन्हे पिछले दो माह से वेतन नहीं मिला है, जिससे कर्मचारी परेशान है, कर्मचारी संघ ने सरकार से मांग की है कि बगैर वेतन के चुनाव में कैसे काम करेंगें।

सर्वश्रेष्ठ झांकी पुराना पावर हाउस को प्रथम शील्ड प्रदान की

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश संत पुजारी संघ लगातार 3 वर्षों से पुरस्कार वितरित कर रहा है इस वर्ष दुर्गा जी एवं पंडालो एवं सर्वश्रेष्ठ झांकियां आदि शक्ति दुर्गा उत्सव समिति पुराना पावर हाउस प्रथम शील्ड प्रदान की गई सम्मानित किया गया दूसरी पुरस्कार राजनगर स्थित मनोज मालवीय प्रदान किया तीसरी शील्ड विनोद तिवारी जी को सम्मानित किया गया एवं सभी साथ सजा अच्छी झांकियां पर प्रतिवर्ष लगातार 3 वर्षों से शील्ड प्रदान कर रहे हैं जिला अध्यक्ष पंडित सुनील तिवारी महाकौशल प्रभारी मनीष तिवारी महाकौशल प्रभारी मनीष तिवारी, सुरेंद्र शर्मा, नारायण शर्मा, मुकेश तिवारी, मनोज मिश्रा शिव शंकर मिश्रा, नंदू शर्मा, अभिषेक तिवारी एवं समस्त मित्र मंडली मध्य प्रदेश संत पुजारी संघ।

17 नवम्बर को होगा सार्वजनिक अवकाश

छिंदवाड़ा। म.प्र. सरकार ने 17 नवम्बर को मतदान के दिन प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है ।

आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने पर ग्राम पंचायत सचिव निलंबित

छिन्दवाड़ा। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन पाये जाने और संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम के प्रावधानों का पालन नहीं करते हुये प्रथम दृष्टया अपने कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही बरतने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री पार्थ जैसवाल द्वारा ग्राम पंचायत बदनूर के सचिव और ग्राम पंचायत तिवडाकामथ के अतिरिक्त प्रभारी सचिव श्री जगदीश सहारे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में सचिव श्री सहारे का मुख्यालय जनपद पंचायत कार्यालय मोहखेड़ रहेगा और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी।मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जैसवाल ने बताया कि जिले की जनपद पंचायत मोहखेड़ की ग्राम पंचायत बदनूर में अर्जुनदेव के पास विधायक निधि, सांसद निधि व अन्य निधि का भूमिपूजन पत्थर लगा होने और इस पत्थर पर जनप्रतिनिधियों के नाम आज दिनांक तक प्रदर्शित हो रहे हैं जिसमें आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन पाये जाने और प्रथम दृष्टया अपने कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही बरतने का दोषी मानकर ग्राम पंचायत सचिव श्री सहारे को म.प्र.पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम 1999 के प्रावधानों के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर सभी शासकीय भवनों में रोशनी करने के निर्देश

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन द्वारा प्रति वर्ष के अनुसार इस वर्ष भी आगामी एक नवंबर 2023 को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस मनाये जाने का निर्णय लिया गया है तथा स्थापना दिवस के अवसर पर एक नवंबर को सभी शासकीय भवनों में रोशनी करने के निर्देश दिये गये हैं। कलेक्टर मनोज पुष्प द्वारा इस संबंध में सभी विभाग प्रमुख अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं।

आयोग द्वारा मतदाताओं के लिये वेबसाइट पर ई-ईपिक डाउनलोड करने की सुविधा

छिन्दवाड़ा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत मतदाताओं के लिये ई-ईपिक कार्ड को डाउनलोड करके ई-ईपिक कार्ड प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके लिये मतदाता वेबसाइट voters.eci.gov.in के माध्यम ई-ईपिक कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज पुष्प ने बताया कि ई-ईपिक कार्ड के लिये प्रथम स्टेप में मतदाता को वेबसाइट voters.eci.gov.in में वोटर पोर्टल पर रजिस्टर कर लॉग इन करना होगा और इसके बाद व्दितीय स्टेप में ई-ईपिक डाउनलोड ऑप्शन पर जाकर ईपिक नंबर दर्ज करना होगा। इसके बाद तृतीय स्टेप में रजिस्टर्ड मोबाईल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करने के बाद चतुर्थ स्टेप में मतदाता ई-ईपिक डाउनलोड करके ई-ईपिक कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने जिले के मतदाताओं से आयोग द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधा का अधिक से अधिक संख्या में लाभ लेने की अपील भी की है।

नागपुर छिदंवाड़ा अयोध्या ट्रेन चालाने की मांग

छिंदवाड़ा। 22 जनवरी 24 को प्रधानमंत्री अयोध्या में राम मंदिर में रामलला का पूजन करेगें राम मंदिर एवं अयोध्या का नया स्वरूप देखने की सभी को इच्छा होगी, अत: रेल्वे को नागपुर-छिंदवाड़ा-नैनपुर जबलपुर होते हुये नागपुर-आयोध्या ट्रेन चलाना चाहिये। यह धार्मिकपर्यटन ट्रेन होगी, जिससे लोग आसानी से राम मंदिर के दर्शन कर सकेंगे।

16 मतदान केन्द्रों में चस्पा किये गये मतदाता जागरूकता पोस्टर्स

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज पुष्प द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल अधिकारी श्री पार्थ जैसवाल के मार्गदर्शन में स्वीप गतिविधि के परिप्रेक्ष्य में आज मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र चौरई के 16 मतदान केन्द्रों में निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये मतदाता जागरूकता पोस्टर्स चस्पा किये गये । साथ ही मतदान केन्द्र के आसपास मानव श्रृंखला का निर्माण कर मतदाताओं को मतदान के लिये जागरूक किया गया। स्वीप प्रभारी चौरई श्री राकेश कुमार मालवीय ने बताया कि जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र चौरई के मतदान केन्द्र बेलगांव, धमनिया माल, कौआखेड़ा, आदि द्वारा पोस्टर्स चस्पा किये गये ।

आपका वोट मुख्यमंत्री चुनेगा: नकुलनाथ

कमलनाथ ने अपने 43 वर्षों का जन सभा में हिसाब दिया ग्यारहवीं फ़तह के लिये कमलनाथ ने भरा नामांकन

छिंदवाड़ा। ग्यारहवीं फ़तह के लिये प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कमलनाथ ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, इस दौरान उनके साथ सांसद नकुलनाथ व श्रीमती प्रियानाथ भी उपस्थित रहीं। नौ बार के सांसद व संसदीय कार्यकाल के साथ ही विभिन्न मंत्रालयों में केन्द्रीय मंत्री रहते हुये कमलनाथ ने जिले का चंहुमुंखी विकास किया है। एक दफा विधायक चुनकर म.प्र. के मुख्यमंत्री बने। पुनः मुख्यमंत्री पद के लिये छिन्दवाड़ा विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल किये। उनकी रैली विभिन्न स्थानों से गुजरती हुई बस स्टेण्ड पहंची ।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कमलनाथ ने विशाल जनसभा में अपने आत्मिक उदगार प्रगट करते हुये अपने राजनीति के शुरुआती दिनों को साझा करते हुये कहा कि जब सन 1979 में मैंने पहली दफा नामांकन पत्र दाखिल किया था और मैंने जनमानस से वोट देने की अपील की थी, किन्तु मुझे जनता का प्यार और विश्वास मिला। तब जिले के 2 हजार गांवों में से महज 480 गांव में बिजली थी। आवागमन के पर्याप्त साधन नहीं थे, हम धीरे-धीरे आगे बढ़े, किन्तु सफर अभी लम्बा है। उन्होंने अपने सारगर्भित उदबोधन में कहा कि जनता ने मुझे 40 वर्षों तक प्यार और विश्वास दिया है और इसी प्यार व विश्वास की शक्ति से मिले बल से छिन्दवाड़ा मॉडल बनकर तैयार हुआ है जिसे देखने के लिये निरंतर बाहरी नेताओं का आगमन हो रहा हैं।

आपका वोट मुख्यमंत्री चुनेगा

सांसद नकुलनाथ ने जनसभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि 17 नवम्बर को मतदान है आप सभी पंजे का बटन दबाकर कमलनाथ जी को भारी मतों से विजयी बनायें, आपका वोट विधायक को तो जायेगा ही साथ ही मुख्यमंत्री भी चुनेगा। आप सभी के प्यार और आशीर्वाद से दिसम्बर माह में कमलनाथ मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं।

निशा बांगरे चुनाव नहीं लडेंगी

निशा बांगरे ने भाजपा को जमकर घेरते हुये कहा कि भाजपा लाड़ली बहना की बात करती है और दूसरी ओर बहनों को अपमानित भी करती है। अनुसूचित जाति की होने के चलते उन्हें प्रदेश की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हर स्तर पर परेशान किया है। उनके कपड़े फाड़े गये, छुट्टी नहीं दी गई और अंत में जब तक आमला की सीट कांग्रेस की ओर से होल्ड थी तब तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया, किन्तु जैसे ही कांग्रेस ने प्रत्याशी घोषित किया, प्रदेश सरकार ने इस्तीफा स्वीकार कर लिया। यह भाजपा का षड़यंत्र है। श्रीमती बांगरे ने मंच से कहा कि भले ही वे चुनाव नहीं लड़ रही है, किन्तु कांग्रेस परिवार के साथ जुड़कर म.प्र की सेवा निरंतर करती रहेंगी।

सनातन धर्म का प्रतीक है राम मंदिर, भाजपा का कार्यालय नहीं: कमलनाथ

छिन्दवाड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने नामांकन पत्र दाखिल करने से पूर्व निज निवास शिकारपुर कमलकुंज में मीडिया से चर्चा करते हुये भाजपा के द्वारा अयोध्या में

राम मंदिर लोकार्पण के प्रत्युत्तर में श्री नाथ ने कहा कि राम मंदिर सनातन धर्म का प्रतीक है भाजपा का कार्यालय नहीं है। ना ही भाजपा का एकाधिकार है मंदिर सभी के लिये हैं। मतदाताओं के रूझान को लेकर श्री नाथ ने कहा कि मुझे छिंदवाड़ा ही नहीं बल्कि पूरे म.प्र. के मतदाताओं पर पूर्ण विश्वास है। प्रदेश का हर वर्ग महंगाई, युवा बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और घपलों से त्रस्त है। कांग्रेस के द्वारा सीटें जीतने के पूर्व अनुमान को लेकर श्री नाथ ने चुटकी लेते हुये कहा कि मैं शिवराज सिंह चौहान नहीं हूं जो घोषणा कर दूं।

आज कमलनाथ करेंगे रोड शो

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ आज छिन्दवाड़ा विधानसभा के ग्यारह ग्रामों में रोड शो के माध्यम से जनसम्पर्क कर आमजन से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। सांसद कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 27 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे कमलनाथ का परासिया आगमन होगा जहां वे जनसभा को सम्बोधित करने के उपरांत दोपहर 12.55 बजे शिकारपुर आगमन होगा। सांय 5.20 बजे छिन्दवाड़ा विधानसभा के ग्राम कचरिया पहुंचकर रोड शो प्रारम्भ करेंगे।

दुबे गुट ने कमलेश वर्मा को मैदान में उतारा

भाजपा प्रत्याशी ने भी नामांकन पत्र भरा, कांग्रेस प्रत्याशी सुजीत चौधरी ने भरा नामांकन, विद्रोही बंटी पटेल मैदान में है

चौरई। चौरई में भाजपा में असन्तोष कम नहीं हो रहा है, पूर्व विधायक दुबे की ओर से कुण्डा मण्डल के अध्यक्ष कमलेश वर्मा ने आज अपना नामांकन पत्र भर दिया। भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी लखन वर्मा ने भी भाजपा नेता दौलत सिंह ठाकुर व अनिल राय के साथ अपना नामांकन पत्र भर दिया। आज प्रहलाद पटेल चांद में जनसम्पर्क करेंगे एवं आम सभा को संबोधित करेंगे, बताया जाता है कि रमेश गुट का प्रहलाद पटेल से किसी प्रकार से मिलने का कार्यक्रम नहीं है, वहीं पर कांग्रेस प्रत्याशी सुजीत चौधरी ने भी अपना दमखम दिखाया और 100 गाड़ियों से अधिक की रैली निकाल कर कपुर्दा में षष्ठीमाता मंदिर में पूजा अर्चना की एवं नामांकन पत्र भरा वहीं पर विद्रोही बंटी पटेल ने भी नामांकन पत्र भर दिया है, देखना है कि कौन-कौन प्रत्याशी नाम वापिस लेते है या चुनाव मैदान में आमने सामने रहेंगे।

भाजपा गोंडवाना की संयुक्त प्रत्याशी मोनिका शाह वट्टी ने भरा नामांकन

अमरवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी मोनिका मनमोहन शाह भट्टी ने अपना नामांकन पत्र जमा किया है प्राप्त जानकारी के अनुसार आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी और गोंडवाना की संयुक्त प्रत्याशी मोनिका साहब बस्ती ने अपने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ अमरवाड़ा रिटर्निंग ऑफिसर हेमकरण धुर्वे की समक्ष नामांकन प्रस्तुत किया है इस दौरान उन्होंने कहा कि बिगड़ 10 वर्षों से अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र पिछड़ा हुआ है यहां विकास कार्य बंद है मैं भारतीय जनता पार्टी और गोंडवाना की संयुक्त प्रत्याशी के तौर पर अमरवाड़ा विधानसभा भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी हूं इस मौके पर उनके साथ नवनियुक्त विधानसभा प्रभारी नितिन तिवारी पूर्व जिला भाजपा महामंत्री टीकाराम चंद्रवंशी वरिष्ठ भाजपा नेता संतोष नेमा देवेंद्र जैन धनपाल उइके संतोष पटेल विनोद साहू विनोद चंद्रवंशी मुकेश सूर्यवंशी मौजूद रहे।

परासिया से ज्योति डेहरिया ने भरा नामांकन

छिदंवाड़ा। परासिया से भाजपा प्रत्याशी ज्योति डेहरिया नेनामांकन भरा, सौंसर से कांग्रेस प्रत्याशी विजय चौरे, एवं निर्दलीय चिंघेश सहस्त्रबुद्धे ने नामांकन भरा, छिंदवाड़ा से कांग्रेस के कमलनाथ, निर्दलीय सुभाष शुक्ला, मोहन घाघरे निर्दलीय एवं राजेश तांत्रिकने नामांकन पत्र भरा।

वोटर आईडी कार्ड के अलावा 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेज से कर सकेंगे मतदान

छिन्दवाड़ा । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 के परिप्रेक्ष्य में आगामी 17 नवम्बर 2023 को मतदान के लिए मतदाता पहचान पत्र नहीं होने की दशा में ई- मतदाता परिचय पत्र आयोग की बेबसाईट https://voters.eci.gov.in/ से डाउनलोड किया जाकर मतदान किये जाने की सुविधा प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त 12 प्रकार के वैकल्पिक दस्तावेजों के माध्यम से भी मतदाता अपने मत का उपयोग कर सकते हैं। जिले में मतदाता की सुविधा और आदर्श मतदान के लिये विधानसभावार पीडब्ल्यूडी मतदान केन्द्र, यूथ मतदान केन्द्र व पिंक मतदान केन्द्र बनाये गये हैं जिसमें सभी वर्गों को समाहित करने का प्रयास किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज पुष्प द्वारा इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि संबंधित मतदान केन्द्रों का विस्तृत प्रचार-प्रसार करने के साथ ही मतदाता को मतदान के लिये उपयोगी दस्तावेजों से अवगत कराने के लिये विशेष अभियान चलायें जिससे मतदान के प्रतिशत मे वृद्धि हो सके।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री पुष्प ने बताया कि आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत आगामी 17 नवंबर को मतदान करने के संबंध में मतदाता की पहचान के लिये मतदाता परिचय पत्र और ई-मतदाता परिचय पत्र के अलावा आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक/पोस्ट ऑफिस की फोटो सहित पासबुक, श्रम मंत्रालय के अंतर्गत जारी हेल्थ इंश्योरेंस स्मार्ट कार्ड, ड्रायविंग लाईसेंस, पेन कार्ड, एन.पी.आर.के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोग्राफ सहित पेंशन दस्तावेज, केन्द्र शासन, राज्य शासन, पीएसयूस और पब्लिक लिमिटेड कंपनी द्वारा जारी फोटोग्राफ सहित सर्विस पहचान कार्ड, एमपी, एमएलए व एमएलसी द्वारा जारी ऑफिशियल आईडेंटिटी कार्ड और भारत शासन के सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण विभाग द्वारा जारी यूनिक डिसएबिलिटी आईडेंटिटी कार्ड निर्धारित किये गये हैं ।

जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा 9वी एवं 11वीं में प्रवेश के लिये ऑनलाइन आवेदन भरें

छिन्दवाड़ा। जवाहर नवोदय विद्यालय सिंगोडी की प्राचार्य श्रीमती व्ही.एस.जोशी ने बताया कि कि जवाहर नवोदय विद्यालय समिति की 9वीं और 11 वीं (लेटरल इन्ट्री) में प्रवेश के लिए वर्ष 2024 की चयन परीक्षा आगामी 10 फरवरी 2024 को आयोजित की गई है। इस परीक्षा के लिये किसी भी कम्प्यूटर सेंटर से अथवा मोबाइल से ऑनलाइन आवेदन नि:शुल्क भरा जा सकता है। परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की लिंक www.navodaya.gov.in है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2023 है। उन्होंने सभी पालकों से अनुरोध किया है कि अपने बच्चों के अधिक से अधिक ऑनलाइन आवेदन भरें।

दशहरा मैदान राष्ट्रीय दंगल प्रतियोगिता

भिलाई के अवधेश पहलवान को मिला प्रथम पुरस्कार

छिंदवाड़ा। विजयदशमी उत्सव दंगल समिति छिंदवाड़ा के तत्वाधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी विजयदशमी के पावन पर्व के उपलक्ष्य में स्थानीय दशहरा मैदान में राष्ट्रीय दंगल प्रतियोगिता पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, पूर्व केबिनेट मंत्री चौधरी चन्द्रभान सिंह, दीपक सक्सेना, ठा. दौलत सिंह, रमेश फोफली, शिव मालवी, समिति अध्यक्ष अधि.चौधरी रामेसिंह, सुनील गुप्ता, सहयोगी बिल्लू पटेल, गुरूप्रसाद धुर्वे, विनोद गढ़ेवाल, अभिषेक गुप्ता, नीतिराज रघुवंशी, राजकुमार साहू, चौधरी पावन सिंह, हेमंत विश्वकर्मा आदि की उपस्थिति में संपन्न हुई। जिसमें प्रथम पुरूस्कार अवधेश पहलवान भिलाई को 15000 रूपये नगद, द्वितीय पुरूस्कार शिवा पहलवान पखड़िया को 10000 रूपये, तृतीय पुरूस्कार विनोद पहलवान बांकामुकासा को 7000 रूपये नगद सहित शील्ड, दीवार घड़ी, स्टील टिफिन प्रदान किया अन्य 40 विजेताओं को सांत्वना पुरूस्कार से पुरूस्कृत किया गया ।

टेली कॉलिंग कॉल सेंटर1950 में निर्वाचन संबंधी जानकारी प्राप्त करने व शिकायत दर्ज करने की सलाह

छिन्दवाड़ा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी छिंदवाड़ा मनोज पुष्प के मार्गनिर्देशन में कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक-41 में आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये टेली कॉलिंग कॉल सेंटर 1950 स्थापित किया गया है । इस टेली कॉलिंग कॉल सेंटर से संपर्क करने वाले आवेदकों को निर्वाचन से संबंधित विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिये उचित परामर्श दिया जा रहा है । इस टेली कॉलिंग कॉल सेंटर से अभी तक 333 कॉलर द्वारा प्रस्तुत आवेदनों में मतदाता सूची में नाम जोड़ने, नाम काटने, संशोधन और वोटर कार्ड प्राप्त नहीं होने से संबंधित जानकारी चाही गई थी, जिन्हें पूर्ण जानकारी और संलग्न दस्तावेजों की जानकारी प्रदान करते हुये शत-प्रतिशत आवेदनों का निराकरण किया गया। इसमें 25 अक्टूबर तक की 325 और आज शाम 6 बजे तक की 8 आवेदकों की निर्वाचन से संबंधित विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिये दिया गया उचित परामर्श शामिल है । अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री के.सी.बोपचे ने बताया कि मतदाता पहचान पत्र प्राप्त नहीं होने के संबंध में कोई भी मतदाता 1950 कॉल सेंटर से टेली कॉलिंग के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं । साथ ही आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 से संबंधित जानकारी व शिकायत के लिये भी इस कॉल सेंटर में कॉल करने की सलाह दी गई है ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिला चिकित्सालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर मनोज पुष्प द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.जी.सी. चौरसिया और मेडीकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ.जी.बी. रामटेके द्वारा आज जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा के गायनिक वार्ड, आई.सी.यू. और वार्डो की सभी ओ.पी.डी. का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिन वार्डो में कमियां पाई गई, उनमें सुधारात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन डॉ.एम.के.सोनिया, आर.एम.ओ.डॉ.संजय राय, इंचार्ज गायनिक वार्ड व आई.सी.यू. वार्ड और वार्ड के अन्य स्टॉफ उपस्थित थे। जिला स्वास्थ्य मीडिया अधिकारी डॉ.प्रमोद वासनिक ने बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.चौरसिया और मेडीकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ.रामटेके द्वारा आकस्मिक निरीक्षण के दौरान जिला अस्पताल में नियमित साफ-सफाई रखने, मरीज के परिजनों के द्वारा गंदगी फैलाने एवं थूकने पर सतत् निगरानी करने और लोगों द्वारा पान, गुटखा खाकर थूके जाने या गंदगी फैलाने पर उनसे जुर्माना वसूल किये जाने के निर्देश दिये गये। साथ ही सिविल सर्जन डॉ.सोनिया को मायनर ओ.टी. के पास मुस्कान कार्यक्रम प्रारंभ करने, एन.सी.डी. को ग्राउंड फ्लोर में शिफ्ट करने, डायलिसिस मशीन का प्रपोजल राज्य शासन को भेजने, ग्राउंड में चेकर लगवाने आदि के निर्देश दिये गये। जिला अस्पताल में पार्किंग व्यवस्था के लिये अनुबंधित एजेंसी को निर्धारित रेट लिस्ट मुख्य मार्ग व स्थान पर चस्पा करने और दो पहिया/चार पहिया वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग रखने तथा अस्पताल के चिकित्सीय स्टॉफ के लिये पृथक वाहन पार्किंग व मरीज के परिजन के वाहनों के लिये अलग पार्किंग व्यवस्था बनाने के निर्देश दिये गये।

जाम सांवली के हनुमान मंदिर

खग्रास चन्द्रग्रहण के कारण मंदिर के पट बन्द रहेंगे

छिंदवाड़ा। सौंसर के जामसावंली हनुमान मंदिर में 28 अक्टूबर शनिवार को खग्रास चन्द्रग्रहण है। खग्रास चन्द्रग्रहण के कारण 28 अक्टूबर को दोपहर 3.30 बजे वेद प्रारम्भ होगे जिसके कारण मंदिर के पट बन्द रहेगें। चन्द्रग्रहण का समय रात्रि 1.05 से 2.30 बजे रहेगा। 29 अक्टूबर दिन रविवार को प्रात: चार बजे अभिषेक एवं 5 बजे सुबह आरती होगी एं सुबह 6 बजे से दर्शन होंगे।

विधानसभा छिंदवाड़ा के प्रशिक्षण स्थल में मतदान अधिकारियों का प्रशिक्षण

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज पुष्प द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत विधानसभा स्तर पर आयोजित मतदान अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में से आज विधानसभा छिंदवाड़ा के प्रशिक्षण स्थल शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिंदवाड़ा में राजस्व अनुविभागीय अधिकारी सुधीर जैन और उप संचालक कृषि एवं नोडल अधिकारी मेन पॉवर मैनेजमेंट जितेन्द्र कुमार सिंह द्वारा मतदान अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता की गई। अधिकारी व्दय द्वारा मतदान अधिकारियों से प्रशिक्षण पर चर्चा कर आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया गया। उल्लेखनीय है कि जिले में विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत विधानसभा स्तर पर 26 से 29 अक्टूबर तक मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है ।

भोपाल। राजधानी में देवी प्रतिमाओं एवं झांकियों का देर रात तक विसर्जन कार्यक्रम चलता रहा। इसके चलते अभी घाट पर झांकियों का कचरा फैला हुआ है।

राम मंदिर स्थापना का संकल्प मेरी दादी ने लिया था: ज्योतिरादित्य सिंधिया

ग्वालियर। एक तरफ जहां देश में चुनावी माहौल है तो वहीं दूसरी तरफ अयोध्या के राम मंदिर का मुद्दा भी धीरे-धीरे गरमाता जा रहा है। देश की सियासत धीरे-धीरे एक बार फिर से राम मंदिर की ओर बढ़ती हुई नजर आ रही है। राम मंदिर को लेकर आए दिन पक्ष और विपक्ष के बयान सामने आ रहे हैं। फिर चाहे राम मंदिर में न्योता देने को लेकर बयान दिए जा रहे हो या फिर उन बयानों का पलटवार। ऐसा ही एक पलटवार केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर में सलमान खुर्शीद के बयान पर किया।

दरअसल, राम मंदिर के शुभारंभ को लेकर सलमान खुर्शीद का एक बड़ा बयान सामने आया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि राम मंदिर भाजपा का अकेले का मंदिर नहीं है। फिर वहां पर केवल भाजपा के नेताओं को ही क्यों बुलाया जा रहा है। जिस पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि अगर सलमान खुर्शीद जी, बाकी दलों की यह एक्कुअल दिल की बात होती, तो उनके कार्यकाल में उनके मुंह से राम मंदिर को लेकर एक शब्द क्यों नहीं निकला। उनके कार्यकाल में राम मंदिर स्थापना की बात पर कोई कार्य क्यों नहीं हुआ। चीत भी मेरी पट भी मेरी यह नहीं चलेगा। उन्होंने आगे कहा कि राम मंदिर स्थापित करने का संकल्प मेरी दादी ने उस जमाने में लिया था। जब इस पूर्ण विचारधारा का श्री गणेश हुआ था और ये केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में संभव हो पाया है। आज कुछ लोगों को लग रहा है कि वे भी इसमें शामिल होना चाहते हैं तो उनका स्वागत है। कांग्रेस पार्टी में रहकर भी 370 पूर्ण रूप से खारिज करने के पक्ष में मैं बोला था। देशहित सर्वोपरि होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने जो करके दिखाय है वे करिश्मा से कम नहीं है। चाहे 370 हो, चाहे भारत के दुश्मनों को ठीक स्थान दिखाने की बात हो, चाहे भारत के तिरंगे को विश्व पटल पर लहराने की बात हो, चाहे ट्रिपल तलाक पूर्ण रूप समाप्त करने की बात हो, चाहे राम मंदिर स्थापना की बात हो।

हिमालय जाकर आत्म चिंतन करेंगी उमा भारती

भोपाल। बीच चुनाव में मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा की वरिष्ठ नेत्री उमा भारती अपनी ही पार्टी के कामकाज को लेकर हिमालय में जाकर आत्मचिंतन करेगी। उन्होंने गुरुवार को एक्स (ट्वीट) पर पोस्ट कर यह जानकारी साझा की है। लिखा है कि प्रदेश में 2003 से अभी तक डेढ़ साल को छोड़कर हमारी (भाजपा) सरकार रही। लोगों के जिन सपनों को पूरा करने के लिए भाजपा ने कांग्रेस को 20 साल पहले ध्वस्त किया था, वे सपने कितने पूरे हुए, उस पर कुछ दिन हिमालय में बद्री-केदार के दर्शन करते समय आत्म चिंतन करूंगी।

उमा भारती ने कहा कि इस साल मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आदर्श शराब नीति लाकर अभिनंदनीय कार्य किया। शिवराज के कार्यकाल में कई जनकल्याणकारी कार्यों की भी शुरुआत हुई, साथ ही उमा भारती ने भाजपा सरकार में रह गए अधूरे कार्य भी गिनाए हैं। लिखा है कि गो संवर्धन, गो रक्षण के उपाय संतोषजनक स्थिति तक नहीं पहुंच पाए। धार भोजशाला की सरस्वती माई राज्य और केंद्र में हमारी सरकार होते हुए भी अपनी गद्दी पर वापस नहीं लौट सकीं। रायसेन के सोमेश्वर एवं विदिशा की विजया देवी के मंदिर के पट नहीं खुल सके।

एयर कनेक्टिविटी में पिछड़ रहा भोपाल, सूरत और शिर्डी उड़ान नहीं हो पा रही शुरू

भोपाल। सुविधाओं के मामले में नंबर एक राजा भोज एयरपोर्ट यात्रियों को एयर कनेक्टिविटी देने में पीछे है। भोपाल से सूरत एवं शिर्डी तक सीधी उड़ान की चल रही मांग अब तक पूरी नहीं हो सकी है। दरअसल, एयरलाइंस कंपनियां स्लाट लेने को तैयार नहीं हैं। तीन साल पहले स्पाइस जेट ने भोपाल से बेस स्टेशन बंद कर दिया था। तब से ही यह दोनों उड़ानें बंद हैं।

भोपाल से सूरत का सीधा संपर्क है। सूरत टैक्सटाइल बिजनेस का हब है। संत हिरदाराम नगर के कपड़ा व्यापारियों का सूरत आना-जाना लगता रहा है। स्पाइस जेट की सूरत उड़ान शुरू होने से कारोबारियों को सुविधा हो गई थी। इस उड़ान को करीब 80 प्रतिशत पैसेंजर लोड मिल रहा था। कंपनी ने कोरोना काल में अपना बेस स्टेशन ही बंद कर दिया। कुछ समय पहले इंडिगो एयरलाइंस सूरत तक सीधी उड़ान शुरू करना चाह रही थी, पर कंपनी ने स्लाट नहीं लिया।

वरिष्ठ अधिवक्ता एचएल कुमार का निधन

प्रतिष्ठित वरिष्ठ अधिवक्ता लेबर लॉ रिपोर्टर के एचएल कुमार का निधन हो गया है। उन्होंने श्रम कानूनों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कानूनी समुदाय पर उनके गहरे प्रभाव को हमेशा याद रखा जाएगा। उनकी महान आत्मा को शाश्वत शांति मिले।

विधानसभा चुनाव: मध्य प्रदेश में इन राजघरानों-रियासतों की किस्मत दांव पर

भोपाल। मध्य प्रदेश में सियासी सरगर्मी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। उधर, भाजपा और कांग्रेस दोनों ने विधानसभा चुनाव के लिए अधिकतर उम्मीदवार तय कर दिए हैं। इन सूचियों में कई ऐसे नाम हैं, जिनका ताल्लुक राजघरानों से है। सूची में दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन और उनके भाई लक्ष्मण सिंह जैसे चर्चित नाम हैं। आइये जानते हैं मध्य प्रदेश में राजघरानों से भाजपा-कांग्रेस ने कितने शाही उम्मीदवारों को टिकट दिया है? इनकी राजनीतिक पकड़ कितनी है? इन राजघरानों का इतिहास क्या है?

राघोगढ़ रियासत- मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव राघोगढ़ राजपरिवार दो सदस्य अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। कांग्रेस ने राघोगढ़ से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह को उम्मीदवार बनाया है। वहीं चचौड़ा से पार्टी ने दिग्विजय के भाई लक्ष्मण सिंह को मैदान में उतारा है।

राघोगढ़ ब्रिटिश राज में ग्वालियर रेजीडेंसी की एक रियासत हुआ करती थी। इसकी स्थापना 1673 में लाल सिंह खीची ने की थी। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के पिता बलभद्र सिंह-ढुढ्ढ इस राजघराने के अंतिम शासक रहे।

चुरहट राजपरिवार - चुरहट रियासत से आने वाले दिग्गज कांग्रेसी अजय सिंह राहुल चुरहट विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उनके पिता अर्जुन सिंह मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा अर्जुन सिंह ने पंजाब के राज्यपाल और केंद्र में मंत्री की भी जिम्मेदारी निभाई है। अर्जुन सिंह के पिता शिव बहादुर सिंह चुरहट के 26वें राव थे। चुरहट रीवा राजपरिवार की एक शाखा हुआ करती थी।

देवास राजघराना - देवास राजघराने से ताल्लुक रखने वाली गायत्री राजे पंवार को देवास विधानसभा सीट से टिकट दिया गया है। गायत्री राजे अभी इस सीट से विधायक भी हैं। उनका विवाह देवास के दिवंगत महाराजा वरिष्ठ तुकोजी राव पवार से हुआ था। देवास राजवंश के महाराज तुकोजीराव चतुर्थ विक्रमादित्य के राजवंश से संबंध रखते थे। उनके पूर्वजों ने 250 वर्षों तक देवास राजघराने पर शासन किया।

वहीं देवास सीट की बात करें तो पिछले छह चुनाव से यहां भाजपा का ही कब्जा है। तुकोजी राव पवार यहां से लगातार छह बार यहां पर चुने गए और तुकोजी राव पवार का नाता शाही खानदान से रहा है। पहली बार उन्होंने 1990 के चुनाव में जीत हासिल की थी, उसके बाद वह लगातार इस सीट पर चुने जाते रहे। 2015 में तुकोजी राव का निधन हो गया, जिसके चलते उपचुनाव में उनकी पत्नी गायत्री राजे पवार ने जीत हासिल की। फिर 2018 के चुनाव में भी उन्होंने ही जीत दर्ज की। इस चुनाव में गायत्री राजे ने कांग्रेस के जयसिंह ठाकुर को हराया था। इस बार गायत्री फिर भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ेंगी।

रीवा राजघराना- रीवा राजघराने से आने वाले दिव्यराज सिंह को रीवा जिले की सिरमौर विधानसभा से टिकट मिला है। दिव्यराज अभी सिरमौर सीट से ही भाजपा के विधायक हैं। उनके पिता और पुष्पराज सिंह भाजपा और कांग्रेस दोनों से रीवा से विधायक रह चुके हैं। पुष्पराज सिंह मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। पुष्पराज सिंह के दादा गुलाब सिंह ब्रिटिश राज में रीवा राज्य के अंतिम आधिकारिक शासक थे।

मकड़ाई राजघराना- भाजपा ने हरसूद सीट पर मंत्री कुंवर विजय शाह को उतारा है। वहीं टिमरनी से भाजपा ने विजय शाह के भाई संजय शाह को टिकट दिया है। दोनों का मकड़ाई राजघराने से नाता है। विजय ने भाजपा के टिकट पर पहला विधानसभा चुनाव 1990 में लड़ा था। वर्तमान में विजय शाह शिवराज सरकार में कैबिनेट वन एवं पर्यावरण मंत्री हैं। मकड़ाई रियासत से विजय शाह प्रदेश में मंत्री हैं। वहीं टिमरनी से संजय शाह वर्ष 2008 से जीत रहे हैं। 2018 के चुनाव में टिमरनी से संजय शाह ने कांग्रेस उम्मीदवार और अपने भतीजे अभिजीत शाह को हराया था। विजय शाह के एक भाई अजय शाह कांग्रेस में हैं।

मकड़ाई रियासत के अंतिम शासक देवी शाह थे। इस रियासत की स्थापना 16वीं शताब्दी में राज गोंड राजा कर्कट राय ने 1663 में की थी। 1947 में भारतीय स्वतंत्रता के बाद यहां के शासक भारत संघ में शामिल हो गए और रियासत को मध्य प्रदेश राज्य में शामिल कर लिया गया। 2012 तक मकड़ाई के नामधारी महाराजा राजा अजय शाह हैं।

अमझेरा राजघराना- राजवर्धन सिंह दत्तीगांव को धार जिले की बदनावर सीट से उम्मीदवारी थमाई गई है। अमझेरा राजघराने से ताल्लुक रखने वाले राजवर्धन शिवराज सरकार में उद्योग नीति और निवेश प्रोत्साहन मंत्री की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। स्थानीय लोग उन्हें दत्तीगांव जागीर के नामधारी मुखिया या दत्तीगांव के महाराजा या राव साहब के नाम से बुलाते हैं। राजवर्धन चार बार से बदनावर के विधायक हैं।

राजवर्धन सिंह दत्तीगांव महराणा बख्तावर सिंह से वंशज हैं। दरअसल, महराणा बख्तावर सिंह अमझेरा कस्बे के शासक थे, जिन्होंने 1857 की क्रांति में अंग्रेजों से संघर्ष किया। अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों के खिलाफ सन 1857 में झांसी, ग्वालियर, उत्तरप्रदेश के विद्रोह की हवा मालवा में भी आई। धार से 30 किमी दूर अमझेरा में तब बख्तावर सिंह का राज था।

ग्वालियर राजघराना - ग्वालियर ऐसा राजघराना है जिसके सदस्य मध्य प्रदेश और राजस्थान से लेकर केंद्र तक की सियासत में हैं। राजस्थान की झालरापाटन सीट से भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को टिकट थमाया है। दो बार की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया राजघराने से ताल्लुक रखती हैं। उनके भतीजे ज्योतिरादित्य सिंधिया केंद्र में मंत्री हैं, जबकि बहन यशोधरा राजे सिंधिया शिवराज सरकार में मंत्री हैं।

आजादी के पहले ग्वालियर पर सिंधिया राजाओं का राज हुआ करता था। वसुंधरा के पिता जीवाजीराव सिंधिया ग्वालियर राज्य के अंतिम आधिकारिक शासक थे।

एनजीओ महासंघ की मांग एनजीओ कल्याण बोर्ड गठन किया जाए

भोपाल। केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित की जिम्मेदारी कोई बेहतर तरीके से निभाता है तो वह स्वयं सेवी संस्थाएं ही है। लेकिन कई दशकों से स्वयंसेवी संस्थाओं के लिए कोई भी ऐसा प्लेटफॉर्म शासन स्तर पर तैयार नहीं किया जहां वह अपनी बात रख सके। इसी को ध्यान में रखते हुए एनजीओ महासंघ सक्रिय रूप से कार्यरत है।

स्वयंसेवी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र श्रीवास्तव, सचिव प्रतिभा चौहान एवं प्रवक्ता राजेश यादव ने बात रखते हुए प्रेस वार्ता में कहा कि मध्यप्रदेश शासन से एन.जी.ओ. महासंघ मांग करता है कि एनजीओ कल्याण बोर्ड गठन किया जाए, इसी के साथ पंजीयन शुल्क वृद्धि एवं विलंब शुल्क आदेश को अविलंब वापस लिया जाए क्योंकि शासन के इस निर्णय से संस्थाएं हतोत्साहित है।

शासन-प्रशासन हमारी 11 सूत्रीय मांगों के ज्ञापन पर ध्यान नहीं देती है तो एन.जी.ओ. महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल अधिवेशन स्वयंसेवी संस्थाओं

का भोपाल में आयोजित किया जाएगा। महासंघ की जिला इकाईयों के माध्यम से विधान सभा प्रत्याशियों को भी जिला एवं तहसील स्तर पर 15 दिवसीय ज्ञापन आभियान के माध्यम से ज्ञापन दिया जायेगा। एन जी ओ महासंघ प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि 31 अक्टूबर 2023 को राष्ट्रीय एकता दिवस एवं सरदार वल्लव भाई पटेल की जयंती के अवसर पर सरकार में एनजीओ की सहभागिता पर व्याख्यान कार्यक्रम भोपाल में आयोजित होगा।

चार दिन में 10 डिग्री पर आ सकता है रात का तापमान, सात शहरों में 15 डिग्री से नीचे

भोपाल। हवाओं का रुख उत्तरी होने से प्रदेश में ठंड बढ़ने का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी क्रम में गुरुवार को नौगांव सहित प्रदेश के सात शहरों बैतूल, छिंदवाड़ा, मंडला, रीवा, उमरिया एवं मलाजखंड में रात का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। सबसे कम 13 डिग्री सेल्सियस तापमान नौगांव में दर्ज किया गया। जबकि हिल स्टेशन पचमढ़ी में पारा 12.2 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। राजधानी में न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

नौवीं कक्षा में हजारों विद्यार्थियों का नामांकन अटका, 31 अक्टूबर अंतिम तारीख

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) का एक नया नियम नौवीं कक्षा में नामांकन के लिए हजारों विद्यार्थियों की राह में बाधक बन गया है। माशिमं की प्रवेश नीति में विरोधाभास से इन विद्यार्थियों का भविष्य दांव पर है। माशिमं के इसी साल लागू किए गए नियमों से ये विद्यार्थी परेशान है। स्कूल प्राचार्यों ने इस संदर्भ में माशिमं को कई पत्र लिखे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

दरअसल राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत मप्र स्कूल शिक्षा विभाग ने इस वर्ष से पहली कक्षा में बच्चे के प्रवेश की न्यूनतम आयु पांच वर्ष कर दी है। इसके अनुसार माशिमं ने भी इसी साल से नौवीं के नामांकन में न्यूनतम आयु 13 साल कर दी है, जबकि कई विद्यार्थी शासकीय स्कूलों में आठवीं तक निरंतर पढ़ते हुए वर्तमान में 12 साल उम्र तक के भी है, लेकिन मंडल 31 दिसंबर 2010 के बाद के जन्म लेने वाले विद्यार्थियों का नौवीं में नामांकन नहीं कर रहा है। इससे हजारों की संख्या में विद्यार्थियों का अभी तक नामांकन नहीं हो पाया है, जबकि नामांकन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक निर्धारित की गई है।

इस तरह हो रहे हैं परेशानी- मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव को शासकीय कन्या उमावि निवाली जिला बड़वानी सहित कई प्राचार्यों ने पत्र भेजे। जिसमें लिखा है कि स्कूल के नौवीं में उन विद्यार्थियों का नामांकन नहीं हो पा रहा है, जिनकी जन्मतिथि 31 दिसंबर 2010 के बाद की है। इस वजह से स्कूल की आठ छात्राओं का नामांकन नहीं हो पाया है, जबकि सभी छात्राएं नौवीं में निरंतर अध्ययनरत है। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा उन्हें आठवीं बोर्ड परीक्षा की अंकसूची भी जारी कर दी गई है।

नए नियम से उपजी विसंगति- मप्र स्कूल शिक्षा विभाग प्रारंभिक कक्षा के नाम पर बच्चों को 3 से 5 साल की उम्र में आंगनबाड़ी में प्रवेश दिलाता है। इसके बाद विद्यार्थी चार या पांच साल की उम्र में पहली कक्षा में प्रवेश लेते है। आठवीं पास करने के बाद विद्यार्थियों की उम्र 12 या 13 साल के आसपास होती है। लेकिन राज्य शिक्षा केंद्र ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पहलीं में प्रवेश की न्यूनतम आयु इस वर्ष से पांच साल कर दी है। इससे आठवीं पास होने तक विद्यार्थी 13 साल की उम्र का होगा, लेकिन यह नियम इसी साल से लागू हुआ है। जिन विद्यार्थियों ने आठ साल पहले प्रवेश लिया, उनके लिए भी मंडल ने यह नियम लागू कर दिया। जिससे हजारों की संख्या में ऐसे विद्यार्थियों का नामांकन नहीं हो पा रहा है, जिनकी उम्र 13 साल से कम है।

प्याज की महंगाई आसमान की ओर, सरकार थोक मार्केट में उतारेगी बफर स्टाक

भोपाल। नवरात्र समाप्त होने के बाद प्याज की खपत बढ़ गई है। वहीं स्थानीय स्तर पर इसकी आवक न होने से इसके भाव सातवें आसमान पर पहुंच गए हैं। एक सप्ताह पहले तक मंडी के थोक व्यापारी जो प्याज ढाई से तीन हजार रुपये क्विंटल के हिसाब से बेच रहे थे, अब उस प्याज के दाम 45 से 50 रुपये किलो हो गए हैं। वहीं फुटकर में प्याज के दाम 60 रुपये के पार पहुंच गए। आने वाले दिनों में इसके दाम और भी बढ़ सकते हैं।

त्यौहारी और चुनावी मौसम में प्याज की बढ़ती महंगाई सरकार के लिए भी चिंता का सबब बन रही है। खरीफ का नया प्याज आने के बाद प्याज के दामों में नरमी की उम्मीद है। हालांकि अब तक फसल आने में देरी की आशंका है। ऐसे में दीवाली के मौके पर महंगा प्याज उपभोक्ताओं को तो परेशान कर ही सकता है खेरची महंगाई दर को भी ऊपर ले जाएगा।

सरकारी गोदाम में अब तक करीब 7 लाख टन प्याज का बफर स्टाक मौजूद है। केंद्र की ओर से इस स्टाक की बढ़ी मात्रा धीरे-धीरे देश के थोक बाजारों में बिक्री की जाएगी। इसमें दीवाली के आसपास तेजी आएगी। हालांकि इसकी शुरुआत कर दी गई है। करीब 1.7 लाख टन प्याज 16 राज्यों के बाजार में उतारा जा रहा है। इसमें दिल्ली-पंजाब, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक जैसे राज्य शामिल है लेकिन मध्य प्रदेश शामिल नहीं है। अगले चरण में दीवाली के पहले बड़ी खेप थोक बाजारों में उतारी जाएगी। ऐसे में दीवाली के आसपास प्याज के दामों में नरमी आने की उम्मीद है। नवंबर अंत में खरीफ का प्याज आ जाने लगेगा। ऐसे में खुद ब खुद प्याज के दाम नरम पड़ने की उम्मीद है। एक महीने के लिए सरकार ने अपनी रणनीति तैयार कर ली है। सरकारी कदमों को देखते हुए अब थोक बाजार भी प्याज में बहुत ज्यादा उछाल की उम्मीद नहीं कर रहा है। माना जा रहा है एक सप्ताह तक तेजी जारी रहने के बाद दामों में फिर से नरमी का रूख आएगा।

किसानों का कहना है कि तीन महीने तक प्याज को भाव नहीं मिल रहे थे। हमने अच्छी क्वालिटी का प्याज भी दो रुपये किग्रा तक बेची। उस समय टमाटर के भाव तेज थे, तो प्याज के बहुत कम थे, लेकिन जब यहां स्टाक खत्म हुआ तो इसके भाव आसमान छूने लगे। सत्यम पटेल का कहना है कि वे दो-चार दिन में मंडी में सब्जी खरीदने जाते हैं। पांच दिन पहले जब गया था तो प्याज 25 रुपए किलो मिली थी, लेकिन अब इसके भाव दोगुने हो गए। प्याज जल्द खराब होती है, इसलिए इसका ज्यादा दिन तक स्टाक नहीं कर सकते।

तेजी का दौर जारी- इंदौर की मंडियों में प्याज के दामों में जोरदार तेजी का दौर जारी है। प्याज ने पांच हजार रुपये क्विंटल का स्तर पार कर लिया है। गुरुवार को चोईथराम थोक मंडी में प्याज सुपर 5300 रुपये क्विंटल बिका। एक सप्ताह में ही करीब एक हजार रुपये का उछाल आ गया है। इंदौर के खेरची बाजार में प्याज 90 रुपये किलो तक बिक रहा है। प्याज की आवक 35 हजार बोरी रही। गोल्टा प्याज में फिर से अच्छी मजबूती आ रही है। मांग के कारण गोल्टा प्याज 3300 रुपये तक बिका। आलू की आवक 20 हजार बोरी रही। आलू चिप्स क्वालिटी 1100-1200 रुपये बिका। आलू में अभी अच्छी क्वालिटी के माल का अभाव है। लहसुन के दामों में मजबूती है। लहसुन ऊंटी बेस्ट 13500 रुपये क्विंटल के दाम पर बिकी। लहसुन की आवक सात हजार बोरी रही।

मंडी भाव- प्याज सुपर 5000-5300, एवरेज 4500-4800, गोल्टा 2800-3300, गोल्टी 1800-2200, आलू चिप्स 1000-1200, राशन 800-900, गुल्ला 500-700, लहसुन ऊंटी बोल्ड 13500-14000, सुपर बोल्ड 12500-13000, बोल्ड 10500-11000, एवरेज 7500-8000, बारीक 5000-7000 रुपये क्विंटल।